RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 208 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 24-02-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 युवाओं को रोजगार सृजनकर्ता बनना होगा : खांडू

6 मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिए घातक

7 ईशा मालवीय की डेब्यू फिल्म 'इश्कां दे लेखे' का ट्रेलर रिलीज

फर्स्ट टेक

नाइजीरिया में सशस्त्र समूहों ने 38 लोगों की हत्या की, कई अन्य को अगवा किया

अबुजा (नाइजीरिया)/एपी। नाइजीरिया में पिछले सप्ताह उत्तर-पश्चिमी जमफारा राज्य में सशस्त्र समूहों के हमले में 38 लोग मारे गए और कई अन्य लोगों का अपहरण कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। राज्य पुलिस के प्रवक्ता याज़िद अबू बकर ने बताया कि अधिकारियों को बृहस्पतिवार को हुए हमले से पहले खुफिया जानकारी मिली थी, लेकिन रास्ता ठीक नहीं रहने के कारण पुलिस समय पर घटनास्थल तक नहीं पहुंच सकी। अबू बकर ने कहा, जब तक हम पहुंचते, हमलावरों ने इलाके में 38 लोगों की हत्या कर दी और कई निवासियों का अपहरण कर लिया। उन्होंने बताया कि जांचकर्ता अपहृत महिलाओं और बच्चों की सूची तैयार कर रहे हैं।

भारत ने ईरान में मौजूद अपने नागरिकों से देश छोड़ने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने सोमवार को ईरान में रहने वाले अपने सभी नागरिकों को सलाह दी कि वे सुरक्षा की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए वाणिज्यिक उड़ानों सहित परिवहन के सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग करके देश छोड़ दें। तेहरान में नए सिरे से हो रहे विरोध प्रदर्शनों और खाड़ी देश पर अमेरिकी सैन्य हमलों की बढ़ती आशंकाओं के बीच ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों के लिए एक नया परामर्श जारी किया है। ईरान के कई विश्वविद्यालयों में छात्रों ने सरकार विरोधी प्रदर्शन किए, जो पिछले महीने तेहरान द्वारा प्रदर्शनकारियों पर की गई क्रूर कार्रवाई के बाद इस तरह का पहला आंदोलन था। जनवरी में आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, छात्रों सहित 10,000 से अधिक भारतीय ईरान में रह रहे थे।

सेना ने किश्तवाड़ में तीन आतंकवादियों को मार गिराया

जम्मू/भाषा। सेना ने सोमवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादियों को मारकर क्षेत्र में ''आतंकी नेटवर्क पर कड़ा प्रहार'' किया गया और यह बेहद चुनौतीपूर्ण भूभाग में 326 दिन तक चलाए गए सतत संयुक्त अभियान का परिणाम है। रविवार को किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में पाकिस्तानी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के तीन सदस्य मारे गए जिनमें संगठन का स्वघोषित कमांडर भी शामिल था। सेना ने बताया कि सैनिकों, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में आतंकवादियों का पीछा किया।

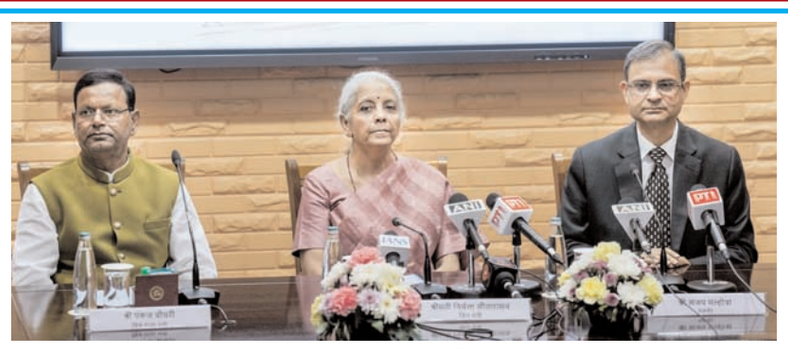

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय की रूपरेखा नहीं : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि सरकार के पास सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय की कोई रूपरेखा नहीं है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में प्रस्तावित विकसित भारत के लिए बैंकिंग पर एक उच्च-स्तरीय समिति इस विषय और अन्य पहलुओं पर गौर करेगी।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल को बजट के बाद संबोधित करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत में सीतारमण ने कहा, ''मैं किसी भी रूपरेखा से परिचित नहीं हूं ऐसी कोई योजना अभी मौजूद नहीं है। बैंकों का विलय यहां चर्चा का विषय नहीं था, न ही बजट से पहले था। लेकिन अब जो समिति बनाई जा रही है, उसके कार्यक्षेत्र तय होने के बाद, वह भारतीय बैंकिंग को मजबूत बनाने के हर पहलू पर ध्यान देगी। बजट में सीतारमण ने भारत के बैंकिंग क्षेत्र की व्यापक समीक्षा करने और इसे देश के विकास लक्ष्यों के अनुरूप ढालने के लिए उच्च स्तरीय बैंकिंग समिति' स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है।

रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि बैंक बेहतर तरीके से पूंजीकृत हैं और वे अगले चार-पांच साल तक ऋण वृद्धि को संभाल सकते हैं।

आंध्र प्रदेश के राजामहेंद्रवरम में मिलावटी दूध पीने से चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजामहेंद्रवरम (आंध्र प्रदेश)/भाषा। पूर्वी गोदावरी जिले में एक अनधिकृत विक्रेता द्वारा बेचे गए कथित मिलावटी दूध के सेवन से पिछले 48 घंटों में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

इस मामले में दो लोगों की मौत रविवार को हो गई जबकि दो लोगों ने आज दम तोड़ दिया। राजामहेंद्रवरम उत्तर जोन के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) वाई. श्रीकांत ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''शहर में एक अनधिकृत विक्रेता द्वारा बेचे गए मिलावटी दूध के सेवन से पिछले दो दिन में चार लोगों की मौत हो गई।''

उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि दूषित दूध के कारण गुर्दा खराब होने से अचानक मूत्र संबंधी अवरोध पैदा हो गया और मौत हो गई।

सभी चारों पीड़ित एक ही स्थानीय विक्रेता से दूध खरीदते थे, जो राजामहेंद्रवरम में लोगों के घरों में दूध की आपूर्ति करता था।

डीएसपी ने बताया कि विक्रेता लगभग 40 मवेशियों का और स्थानीय किसानों से प्राप्त दूध लाता था और फिर उसे घरों में वितरित करता था।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने दूध के नमूने एकत्र किए और उन्हें परीक्षण के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं में भेजा।

अहिंसक और लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन से प्रधानमंत्री क्यों डरते हैं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पलटवार करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता और भारत का पूरा डेटा सौंपा जाना शर्म का विषय है। उन्होंने एक वीडियो जारी कर यह सवाल भी किया कि प्रधानमंत्री मोदी अहिंसा और लोकतांत्रिक विरोध से क्यों डरते हैं?

राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस पार्टी के 'बब्बर शेर' कार्यकर्ता देश की रक्षा करते रहेंगे, एक इंच पीछे नहीं हटेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में 'एआई इम्पैक्ट समिट' में किए गए प्रदर्शन को

लेकर कांग्रेस की कड़ी आलोचना करते हुए रविवार को कहा था कि इस पार्टी ने एक वैश्विक आयोजन को अपनी गंदी और 'नंगी' राजनीति का अखाड़ा बना दिया।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने प्रधानमंत्री पर पलटवार करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री जी आप शर्म की बात करते हो? शर्म की बात मैं आपको बताता हूं। एप्सटीन फाइल में आपका, आपके मंत्री और आपके मित्र का साथ में नाम आना। ऐसे घिनौने अपराधी के साथ आपका नाम जुड़ा होना शर्म की बात है।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''आपने अमेरिका के साथ जो व्यापार समझौता किया है, जिसमें आपने देश को बेच दिया, ये शर्म की बात है। हमारे देश का डेटा दे दिया। किसानों को खत्म कर दिया। कपड़ा उद्योग को बर्बाद कर दिया, ये शर्म की बात है।''

राहुल गांधी ने दावा किया, ''पूरा देश जानता है कि अदाणी पर अमेरिका में चल रहे मुकदमे ने आपकी रातों की नींद उड़ा रखी है, क्योंकि वो भाजपा और आपके वित्तीय ढांचे पर मुकदमा है। 14 महीनों से उसपर कोई कार्रवाई नहीं हुई, ये शर्म की बात है।'' उन्होंने कहा, ''मोदी जी, आप अपने मित्रों अनिल अंबानी, अदाणी और अपने लिए जो उचित समझें, वो कीजिए। मैं और कांग्रेस पार्टी के बब्बर शेर देश की रक्षा करते रहेंगे, एक इंच पीछे नहीं हटेंगे।''

रूस अपने भविष्य, सच्चाई और न्याय के लिए लड़ रहा : पुतिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को कहा कि मॉस्को अपने भविष्य, आजादी, सच्चाई और न्याय के लिए लड़ रहा है। उनकी यह टिप्पणी मंगलवार को यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के चार साल पूरे होने से एक दिन पहले आई है।

रूस ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन में एक सैन्य अभियान शुरू किया था। इस साल युद्ध में

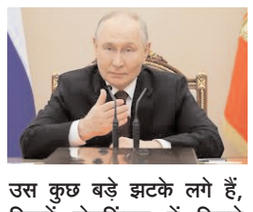

उस कुछ बड़े झटके लगे हैं, जिनमें वोतकिंस्क में पिछले हफ्ते उसकी अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल फैक्टरी पर हुआ भीषण हमला शामिल है।

पुतिन ने सशस्त्र बलों के अधिकारियों को 'गोल्ड स्टार ऑफ हीरो ऑफ रशियन फेडरेशन' सम्मान प्रदान करने से पहले कहा, रूस अपने भविष्य, आजादी, सच्चाई और न्याय के लिए लड़ रहा है। और इस संघर्ष में अग्रिम मोर्चे पर बेहद मजबूत, साहसी और निस्वार्थ लोग तैनात हैं, जिनमें सशस्त्र बलों के सैनिक एवं अधिकारी, नेशनल गार्ड के सदस्य, आंतरिक मामलों के मंत्रालय के कर्मी तथा विशेष सेवाएं एवं इकाइयां शामिल हैं।

आधुनिक रूस में 23 फरवरी की तारीख को परंपरागत रूप से सोवियत सेना और नौसेना दिवस की निरंतरता के रूप में पितृभूमि रक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

सेना ने 46 पर्यटकों को बचाया

कोलकाता/भाषा। भारतीय सेना के जवानों ने सिक्किम के पूर्वी जिले में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी बर्फबारी के कारण फंसे 46 पर्यटकों को बचाया है। एक रक्षा बयान में सोमवार को यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, रविवार को पूर्वी सिक्किम जिले में शून्य से नीचे के तापमान में अचानक और भीषण हिमपात के दौरान कई पर्यटक वाहन असुरक्षित सड़कों पर फंस गए, जिससे पर्यटकों और स्थानीय लोगों को खराब मौसम परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। इसमें कहा गया है कि स्थिति की जानकारी मिलते ही सेना के जवान तुरंत प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे और बचाव एवं राहत कार्य शुरू किए। बयान में कहा गया है, ''कुल 46 पर्यटकों को सुरक्षित बचा लिया गया और उन्हें निकटतम सेना शिविर में ले जाया गया, जहां उनकी चिकित्सकीय जांच की गई और उन्हें गर्म आश्रय, गर्म भोजन उपलब्ध कराया गया, उनके लिए हीटिंग की व्यवस्था की गई और अत्यधिक ठंड व ऊंचाई से संबंधित दुष्प्रभावों को कम करने के लिए आवश्यक राहत सामग्री प्रदान की गई।'' घटनास्थल पर मौजूद चिकित्सा दल ने यह सुनिश्चित किया कि बचाए गए सभी व्यक्ति स्थिर हैं।

पूरे देश में लागू होनी चाहिए समान नागरिक संहिता : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने उत्तराखंड की तर्ज पर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को पूरे देश में लागू करने की वकालत की है।

संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यहां आयोजित पूर्व सैनिक संवाद गोष्ठी में भागवत ने कहा, ''यूसीसी आता है तो बहुत अच्छी बात है। .....सारे देश में ऐसा होगा तो अच्छा होगा, लेकिन इस (उत्तराखंड जैसी) पद्धति से होना चाहिए, ऐसा मेरा कहना है।''

उत्तराखंड देश का पहला ऐसा राज्य है जिसने पिछले साल 27 जनवरी को प्रदेश में यूसीसी लागू किया था।

संघ प्रमुख ने यूसीसी की तारीफ करते हुए कहा कि समाज को एक करने के लिए यह जरूरी है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में इस संबंध में एक प्रस्ताव तैयार करने के बाद उसे सार्वजनिक रूप से चर्चा के लिए रखा गया और फिर तीन लाख लोगों के सुझाव आए, जिस पर विचार कर उसे स्वीकार कर लिया गया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए भागवत ने कहा कि मामला अभी उच्चतम न्यायालय में है।

आरएसएस प्रमुख ने समाज में असामाजिक तत्वों और बाहरी खतरों से सुरक्षा के लिए एक सशक्त एवं सजग रक्षा व्यवस्था को अनिवार्य बताते हुए कहा कि देश स्वतंत्र है, लेकिन उसकी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सेना की आवश्यकता सदैव बनी रहती है। उन्होंने कहा कि संघ बिना किसी बाह्य साधन के खड़ा हुआ और दो बार कठोर प्रतिबंध झेलने के बाद भी समाज की आत्मशक्ति के बल पर लगातार आगे बढ़ता रहा।

भागवत ने पूर्व सैनिकों से आह्वान किया कि वे संघ के शिविरों और कार्यक्रमों में आकर स्वयंसेवकों के समर्पित कार्य को निकट से देखें और अपनी रुचि तथा सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों से जुड़ें। उन्होंने कहा कि भारत का स्वभाव तो विविधता में एकता का है।

'रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार' हैं स्टालिन के असली दोस्त : विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेल्लोर (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन पर एक बार फिर तीखा हमला करते हुए सोमवार को कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष के असली दोस्त ''रिश्वत, भ्रष्टाचार और राजनीतिक लाभ साधने की चाह'' हैं। द्रमुक और विशेष रूप से स्टालिन पर लगातार तीखे हमले कर रहे विजय ने मुख्यमंत्री को चुनौती दी कि वह राजनीति में आने से पहले की अपनी संपत्ति का खुलासा करें और अपनी वित्तीय स्थिति का विवरण दें।

अभिनेता ने मुख्यमंत्री से सवाल किया, ''स्रोत क्या था। क्या यह आपकी मेहनत की कमाई थी या सत्ता में आने के बाद इसे इकट्ठा किया गया? क्या आप इसे सार्वजनिक तौर पर घोषित कर सकते हैं?'' उन्होंने कहा कि यदि वह भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हैं, तो सभी भ्रष्ट तत्व ''हम पर कीचड़ उछालेंगे'' लेकिन उन्हें इसकी चिंता नहीं है क्योंकि लोग उनके बारे में जानते हैं।

विजय ने मुख्यमंत्री पर लोगों से झूठे वादे करने का आरोप लगाया और सत्तारूढ़ दल के इस दावे को खारिज करने की कोशिश की कि उसने राज्य को 'सुपरस्टार राज्य' के रूप में विकसित किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्टालिन के ''असली दोस्त रिश्वत, भ्रष्टाचार और राजनीतिक लाभ साधने की चाह'' हैं। मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ दल ने अक्सर कहा है कि द्रमुक के शासन में राज्य ने 11.19 प्रतिशत (2024-25) की दो अंकों वाली आर्थिक वृद्धि दर दर्ज की।

विजय ने यहां पार्टी पदाधिकारियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए इस साल अप्रैल में होने वाले विधानसभा चुनाव को ''चौंकाने वाला चुनाव'' बताया क्योंकि राज्य की सभी पार्टी कथित तौर पर उनके खिलाफ एकजुट हो गई हैं। उन्होंने दोहराया कि मुकाबला केवल द्रमुक और टीवीके के बीच है।

द्रमुक द्वारा चुनावों को ''तमिलनाडु और दिल्ली-राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) के बीच की लड़ाई के रूप में पेश किए जाने के चुनावी विमर्श पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वास्तव में यह लड़ाई राज्य की जनता और भ्रष्टाचार के बीच है। उन्होंने द्रमुक सरकार पर ''अक्षम'' होने का आरोप लगाया।

नासा का चंद्र रॉकेट फिर हैंगर लौटेगा, अप्रैल तक उड़ान टली

केप कैनवेरल (अमेरिका)/एपी। नासा अपने विशाल चंद्र रॉकेट को अंतरिक्ष यात्रियों के सवार होने से पहले और मरम्मत के लिए इस सप्ताह फिर से हैंगर में वापस लाएगा। अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, कम से कम अप्रैल तक उड़ान स्थगित रहेगी। मौसम अनुकूल रहने पर मंगलवार को केनेडी स्पेस सेंटर के परिसर में रॉकेट को वापस ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। नासा ने बृहस्पतिवार को खतरनाक हाइड्रोजन ईंधन रिसाव को बंद करने के लिए दोबारा जांच की थी। इसी दौरान रॉकेट की हीलियम प्रणाली में खराबी आ गई, जिससे आधी सदी से अधिक समय बाद अंतरिक्ष यात्रियों की पहली चंद्र यात्रा और टल गई। इंजीनियरों ने हाइड्रोजन रिसाव पर काबू पा लिया था और प्रक्षेपण के लिए छह मार्च की तिथि तय की। प्रक्षेपण में एक माह का विलंब पहले ही हो चुका है। अचानक हीलियम प्रणाली में बाधा उत्पन्न हो गई जिससे रॉकेट के ऊपरी चरण तक हीलियम का प्रवाह बाधित हुआ। इंजनों को शुद्ध करने और ईंधन टैंकों में दबाव बनाए रखने के लिए हीलियम आवश्यक होती है।

'भारत टैक्सी' मंच से जुड़े चालकों के लिए आधार किराया तय किया जाएगा : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि हाल में शुरू की गई सहकारी टैक्सी सेवा 'भारत टैक्सी' अपने मंच से जुड़े सभी चालकों (ड्राइवर) के लिए प्रति किलोमीटर न्यूनतम आधार किराया सुनिश्चित करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा टैक्सी एग्रीगेटर कंपनियों ने अपना मुनाफा बढ़ाने के लिए जानबूझकर चालक के लिए कोई आधार दर तय नहीं की है।

शाह ने दिल्ली-एनसीआर और गुजरात के कैब एवं ऑटो चालकों के साथ एक टाउन हॉल चर्चा में कहा कि इस सहकारी सवारी मंच के मुनाफे का 80 प्रतिशत हिस्सा ड्राइवर को उनके द्वारा तय की गई दूरी (किलोमीटर) के आधार पर लौटाया जाएगा, जबकि 20 प्रतिशत सहकारी पूंजी के रूप में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि तीनों एग्रीगेटर कंपनियों से चालकों के लिए न्यूनतम आधार दर तय करने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने नकारात्मक जवाब दिया। उन्होंने कहा, ''लेकिन हम ऐसा नहीं करेंगे। आपका जो भी व्यवसाय होगा, उसकी न्यूनतम आय तय होगी और उससे अधिक जो भी होगा, वह आपको वापस मिलेगा।

सहकारिता मंत्री ने 'भारत टैक्सी' की तुलना दुग्ध सहकारी संस्था अमूल से करते हुए इसे बड़े पैमाने पर श्रमिक-स्वामित्व वाले उद्यम का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, 36 लाख माताओं-बहनों ने 50-50 रुपए का निवेश कर अमूल ब्रांड को खड़ा किया था जिसका आज 1,25,000 करोड़ रुपए का कारोबार है। निजी डेयरी में मुनाफा मालिक के पास जाता है, जबकि अमूल में 85 प्रतिशत उत्पादकों को लौटता है। भारत टैक्सी भी आवागमन के क्षेत्र में यही अवधारणा है। उन्होंने बताया कि चालक 500 रुपए का शेयर लेकर इसमें सह-मालिक बन सकते हैं और सदस्य संख्या बढ़ने के साथ निदेशक मंडल में चालकों के लिए भी सीटें आरक्षित होंगी।

शाह ने कहा कि 'भारत टैक्सी' का लक्ष्य दो साल में 15 करोड़ चालकों को जोड़ने और तीन वर्षों में नगर निगम वाले सभी शहरों तक विस्तार का है। फिलहाल यह टैक्सी सेवा दिल्ली-एनसीआर और गुजरात के राजकोट में शुरू की गई है। उन्होंने स्वीकार किया कि पूर्ण लाभ-वितरण मॉडल को सक्रिय होने में तीन वर्ष तक का समय लग सकता है और इसके लिए उन्होंने चालकों से धैर्य रखने की अपील की।

इस ऐप में 'सारथी दीदी' नामक सुविधा भी जोड़ी जाएगी, जिसके तहत अकेले यात्रा करने वाली महिलाएं महिला चालकों को प्राथमिकता दे सकेंगी।

शाह ने कहा कि मंच पर चालकों के लिए ऑनलाइन, भौतिक और कॉल सेंटर- तीन माध्यमों वाला एक शिकायत निवारण तंत्र स्थापित किया जाएगा। सभी नीतिगत बदलाव कम-से-कम एक सप्ताह पहले ऐप के माध्यम से सूचित किए जाएंगे।

24-02-2026 सूर्यास्त 6:27 बजे | 25-02-2026 सूर्योदय 6:37 बजे

BSE	NSE
83,294.66 (+479.95)	25,713.00 (+141.75)

सोना	चांदी
16,400 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	274,200 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

तटस्थ-साँच

जो ना तो हां ना करते ना,
हर मुद्दे पर रहते तटस्थ।
जिनके अपने मत नहीं सिद्ध,
वे हैं महंत सब सिद्धहस्त।
हो स्वयं भ्रमित फैलाते भ्रम,
रहते निजता में अस्तव्यस्त।
जो हवा देख करके चलते,
सचमुच हैं वे मौकापरस्त।।

मुमुक्षु सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में मुनिश्री मलयप्रभसागरजी व मुकुलप्रभसागरजी की निश्रा में एक साथ संयम ग्रहण करने जा रहे एक ही परिवार के माता, पिता और उनके दोनों पुत्रों का सम्मान किया गया। दुग्गड़ परिवार के मुमुक्षु अनिलकुमार, समतादेवी, बालक दक्षकुमार व प्राकृतकुमार की दीक्षा 23 अप्रैल को जीरावला महातीर्थ में आचार्यश्री रश्मिरत्नसूरीश्वरजी की निश्रा में होगी। सोमवार को दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, धर्मेन्द्र संकलेचा, पारसमल, कांकरिया, पुखराज कवाड़, उम्मेदमल बाफना, राजेन्द्र गुलेच्छा, ललित डाकलिया, गुणवन्ती गुलेच्छा, किरण ललवानी ने चारों मुमुक्षुओं का सम्मान किया।

संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महाराष्ट्र के सांगली में विराजित दिगम्बर संतश्री विद्यासागरजी के आचार्य पदारोहण समारोह के पहले बेंगलूरु जैन युवा संगठन के तीन पूर्व अध्यक्ष भरत रांका, रूपचंद कुमट, दिनेश खिवेसरा ने संतश्री के दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण किया।

मुस्कान से हमारी सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है : साध्वीश्री संयमलता

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। प्रेक्षा वाहिनी जीवनहल्ली के तत्वावधान में रविवार को साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में 'अपनी आभा को शुद्ध करें' विषयक एक विशेष कार्यशाला का आयोजन मुथा निवास पर किया गया। कार्यशाला में प्रशिक्षिका पूजा गुगलिया एवं रेणु कोठारी ने 'आभामंडल' के बारे में जानकारी देते हुए उसकी उपयोगिता और जीवन पर होने वाले प्रभाव के बारे में बताया। उन्होंने प्रेक्षाध्यान के प्रयोग भी करवाए।ङ्कसाध्वी मार्दवश्री जी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए आभा का महत्व बताया। साध्वीश्री संयमलता जी ने कहा कि स्मार्ट दिखने से ज्यादा स्मार्ट बनने का महत्त्व होता है। स्मार्ट दिखने के लिए तो स्मार्ट मोबाइल या महंगा मोबाइल का उपयोग करते हैं पर मार्ट बनने के लिए एक स्माइल(मुस्कान) ही काफी है। मुस्कान से हमारी सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है उससे हमारी आभा शुद्ध होती है।प्रेक्षावाहिनी के सहसंचालक महावीर मुथा ने प्रेक्षाध्यान की यात्रा के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किए।

तेरापंथ सभा गांधीनगर के मंत्री विनोद छाजेड़ ने साध्वीश्री से गांधीनगर भवन पधारने हेतु निवेदन किया। प्रेक्षावाहिनी की संचालिका राखी नाहर ने धन्यवाद दिया।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में 895 लोग हुए लाभान्वित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय महादेवप्पा फाउंडेशन फॉर पब्लिक सर्विस, प्रोजेक्ट दृष्टि व डॉ. सोलंकी नेत्र अस्पताल के सहयोग से रविवार को कमलानगर स्थित इंदिरा हेल्थकेयर सेन्टर में नि:शुल्क नेत्र जांच और सर्जरी शिविर का आयोजन किया गया। पूर्व पार्षद एम शिवराजू के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में डॉ नरपत सोलंकी व उनकी टीम ने 895 लोगों की आंखों की जांच की। 65 लोगों को शल्यचिकित्सा के लिए चुना गया और उन्हें शल्य चिकित्सा के लिए डॉ सोलंकी अस्पताल भेजा गया। शिविर में 348 जरूरतमंद लोगों को चश्मे दिए गए। क्षेत्र के युवाओं ने शिविर में सेवाएं प्रदान की।

यौन शोषण के मुकदमे में फंसे अविमुक्तेश्वरानंद बोले - गिरफ्तारी का विरोध नहीं करूंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

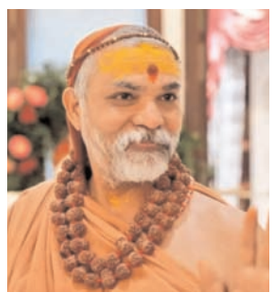

वाराणसी (उप्र)/भाषा। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सोमवार को कहा कि यौन शोषण के मुकदमे में अगर पुलिस उन्हें गिरफ्तार करती है तो वह उसका विरोध नहीं करेंगे।

शंकराचार्य ने कहा कि जनता, स्वयं का हृदय और ईश्वर तीनों ही अदालतों से उन्हें क्लीन चिट मिल चुकी है इसलिए उन्हें कोई भय नहीं है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, उनके शिष्य तथा दो-तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ अदालत के आदेश पर शनिवार देर रात किशोरवय लड़कों के यौन शोषण के आरोप में प्रयागराज के झूंसी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था।

शंकराचार्य ने वाराणसी में संवाददाताओं से कहा कि अगर पुलिस उन्हें इस मुकदमे के सिलसिले में गिरफ्तार करती है तो वह इसका विरोध नहीं करेंगे, क्योंकि जो झूठ है वह अंत में साबित हो जाएगा। शंकराचार्य ने कहा कि उनके लिए तीन अदालतें है। उन्होंने कहा, पहली अदालत जनता है जो सब देख रही है और वह अपना निर्णय देने वाली है। दूसरा न्यायालय मेरा हृदय है, हम जान रहे हैं कि हम गलत नहीं हैं। तीसरा और सर्वोच्च न्यायालय ईश्वर है। वह सब जानता है कि कौन गलत है और कौन सही। तीनों ही अदालतों से मुझे क्लीन चिट मिल चुकी है, इसलिए मुझे अब किसी का भय नहीं है। शंकराचार्य ने कहा कि जो झूठ है वह अंत में सामने आ ही जाता है। उन्होंने कहा, मेरे विरुद्ध जो कहानी गढ़ी गई है उसका सच आज नहीं तो कल, सबके सामने आ ही जाएगा।

उन्होंने कहा कि माघ मेले के दौरान वह मेले में सीसीटीवी कैमरा और मीडिया के कैमरे के सामने रहे क्योंकि चप्पे-चप्पे पर प्रशासन द्वारा सीसीटीवी लगाया गया था। शंकराचार्य ने कहा, आप लोग वह सीसीटीवी फुटेज निकलवाइये और उसमें देखिए कि मैं कहां था। दूसरा यह कहा जा रहा है कि हमारे गुरुकुल में यह सब हो रहा था। जबकि हमारे गुरुकुल में वे लड़के कभी पढ़े ही नहीं।

हुबली में अवैध डीईएफ यूरिया निर्माण इकाई पर छापा, एक आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुबली। कर्नाटक पुलिस की अपराध शाखा ने हुबली क्षेत्र में संचालित एक अवैध डीईएफ यूरिया निर्माण इकाई पर छापा मारकर बड़ी कार्रवाई की है। यह कार्रवाई चरहळपवअॅर चरहळपवअॅर की अधिकृत टीम द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर की गई। छापेमारी के दौरान नकली महिंद्रा एंड महिंद्रा डीईएफ यूरिया के 20-20 लीटर के कुल 15 बाल्टियां जब्त की गईं।

पुलिस के अनुसार, यह छापा हुबली अपराध शाखा की टीम ने कसाबपेठ पुलिस थाने के उपनिरीक्षक एन. एम. पाटिल के नेतृत्व में डाला। गुप्त सूचना और कंपनी की शिकायत के आधार पर टीम ने संदिग्ध स्थान पर दबिश दी, जहां अवैध रूप से डीईएफ (डीजल एग्जॉस्ट फ्लूड) यूरिया का निर्माण और भंडारण किया जा रहा था। जब्त किए गए उत्पादों पर महिंद्रा एंड महिंद्रा का नाम और ब्रांडिंग अंकित थी, जिससे प्रथम दृष्टया यह नकली और कॉपीराइट का उल्लंघन प्रतीत हुआ। मामले में पुलिस ने 20 वर्षीय आरोपी नरेश को गिरफ्तार किया है, जो इस अवैध निर्माण इकाई का संचालक बताया जा रहा है। पुलिस ने उसके खिलाफ प्राथमिकी संख्या 0012/2026 दर्ज की है। आरोपी पर कॉपीराइट अधिनियम, 1957 की धारा 51 और 63 के तहत मामला दर्ज किया गया है, जो कॉपीराइट उल्लंघन और नकली उत्पादों के निर्माण से संबंधित है। प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि अवैध रूप से तैयार किया गया डीईएफ यूरिया बाजार में सस्ते दामों पर बेचा जा रहा था, जिससे न केवल कंपनी को आर्थिक नुकसान हो रहा था, बल्कि वाहनों के इंजन को भी नुकसान पहुंचने की आशंका थी। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस अवैध कारोबार में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा यह नेटवर्क कितने समय से सक्रिय था।

अधिकारियों ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और आगे भी ऐसे अवैध निर्माण इकाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'अजित दादा के रूप में सबसे अच्छा मुख्यमंत्री मिल सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि ''राज्य को अजितदादा (अजित पवार) के रूप में सबसे अच्छा मुख्यमंत्री मिल सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका''। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राकांपा के दिवंगत नेता को बड़े भाई जैसा बताते हुए कहा कि वह, फडणवीस और पवार समबाहु त्रिकोण की तरह थे तथा तीनों बेहद करीबी थे।

पुणे के बारामती में 28 जनवरी को एक विमान दुर्घटना में तत्कालीन उपमुख्यमंत्री पवार और चार अन्य लोगों की मृत्यु हो गई थी। विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन अजित पवार को श्रद्धांजलि देते हुए फडणवीस ने कहा कि राज्य ने एक कद्दावर नेता एवं प्रशासक खो दिया है। उन्होंने कहा कि अजित पवार की असामयिक मृत्यु से ऐसा राजनीतिक शून्य पैदा हो गया है, जो कभी नहीं भरा जा सकेगा। पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन का हिस्सा है। फडणवीस ने कहा, अजितदादा और मेरा जन्मदिन एक ही दिन है, लेकिन वह मुझसे उम्र में 11 साल बड़े थे। वह सही मायने में मेरे दादा थे।'' उन्होंने कहा कि अजित पवार रिकॉर्ड छह बार उपमुख्यमंत्री बने।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''महाराष्ट्र को अजितदादा के रूप में सबसे अच्छा मुख्यमंत्री मिल सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।'' उन्होंने कहा कि कई फैसलों के पीछे राजनीतिक गणित होता है। किस्मत कभी न कभी उनकी इच्छा पूरी कर देती।

लोकसभा अध्यक्ष ने 64 देशों के संसदीय मैत्री समूहों का गठन किया

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को 64 देशों के साथ संसदीय मैत्री समूहों का गठन किया, जिनमें सत्तापक्ष के साथ विपक्ष के कई प्रमुख नेताओं को शामिल किया गया है। बिरला ने यह कदम उस वक्त उठाया जब विपक्ष द्वारा उन्हें पद से हटाने का प्रस्ताव लाने का नोटिस दिया गया है।

लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष ने 60 से अधिक देशों के साथ संसदीय मैत्री समूहों का गठन किया, जो वैश्विक लोकतांत्रिक संबंधों को सुदृढ़ करने की दिशा में अहम कदम है। लोकसभा सचिवालय का यह भी कहना है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बहुदलीय पहल को आगे बढ़ाते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने संसदीय मैत्री समूहों को औपचारिक स्वरूप दिया।

विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं पी चिदंबरम, शशि थरूर, टी.आर. बालू, के.सी. वेणुगोपाल, अखिलेश यादव, असदुद्दीन ओवैसी, अभिषेक बनर्जी और सुप्रिया सुले अलग-अलग मैत्री समूहों का नेतृत्व करेंगे। सत्तापक्ष से अनुराग ठाकुर, निशिकांत दुबे और कुछ अन्य नेताओं को मैत्री समूहों का नेतृत्व सौंपा गया है। कांग्रेस नेता चिदंबरम को इटली, थरूर को फ्रांस, केसी वेणुगोपाल को पुर्तगाल, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को ऑस्ट्रेलिया, तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी को अल्जीरिया, द्रमुक नेता टीआर बालू को मलेशिया, असदुद्दीन ओवैसी को ओमान, और सपा नेता रामगोपाल यादव को मिस्र के लिए मैत्री समूह का नेतृत्व दिया गया है।

जम्मू कश्मीर के राजौरी में एम्बुलेंस में आग लगी, कोई घायल नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल के पार्किंग क्षेत्र में सोमवार को एक एम्बुलेंस में आग लग गई, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि आग गंभीर देखभाल श्रेणी की 108 एम्बुलेंस के रोगी कक्ष में लगी जिसने कुछ ही मिनटों में पूरी एम्बुलेंस को अपनी चपेट में ले लिया।

उन्होंने बताया कि अस्पताल के कर्मचारियों और दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। उन्होंने बताया कि आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। हालांकि, अधिकारियों ने घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

ग्वालियर में सिंधिया राजवंश के स्मारक मंदिर से मूर्तियां, कीमती सामान चोरी

ग्वालियर/भाषा। ग्वालियर में सिंधिया वंश के सदस्यों की स्मृति में बने अम्मा महाराज छत्री परिसर स्थित एक मंदिर से मूर्तियां और पूजा में इस्तेमाल होने वाली कीमती वस्तुएं चोरी हो गईं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चोरी की यह घटना शनिवार और रविवार की दरमियानी रात को परिसर में स्थित विष्णु मंदिर में हुई।

नगर पुलिस अधीक्षक मनीष यादव ने बताया कि परिसर में तैनात सुरक्षा गार्ड अमर सिंह ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि अज्ञात व्यक्तियों ने चांदी, पीतल और तांबे की मूर्तियां तथा पूजा में इस्तेमाल होने वाली अन्य वस्तुएं चुरा लीं। यादव ने बताया कि पुलिस ने एक टीम गठित कर दी है और उस जगह पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

कृत्रिम मेधा, डेटा विश्लेषण के बढ़ते उपयोग से बिजली क्षेत्र हो रहा है मजबूत: कैग मूर्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) के. संजय मूर्ति ने सोमवार को कहा कि बिजली क्षेत्र में कृत्रिम मेधा (एआई) और डेटा विश्लेषण के बढ़ते उपयोग के साथ क्षेत्र में जटिलताओं से निपटने की क्षमता मजबूत हो रही है।

बिजली क्षेत्र पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कैग मूर्ति ने यह भी कहा कि पूरे बिजली क्षेत्र के लिए यह आवश्यक है कि बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की परिचालन क्षमता और वित्तीय स्थिरता को केंद्रित और सतत प्रयासों के माध्यम से बढ़ाया और मजबूत किया जाए।

मूर्ति ने कहा कि पिछले दशक में बिजली क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, क्योंकि बिजली उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26 में 1,824 अरब यूनिट हो गया, जो 2015-16 में 1,168 अरब यूनिट था। मूर्ति ने यह भी बताया कि पारेषण नेटवर्क में 70 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई है और यह पांच लाख सर्किट किलोमीटर से अधिक के स्तर को पार कर चुका है। उन्होंने कहा कि बिजली उत्पादन के स्रोतों में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। हरित ऊर्जा की हिस्सेदारी छह प्रतिशत से बढ़कर 24 प्रतिशत हो गई है, जो हरित ऊर्जा पर बढ़ते ध्यान को दर्शाता है।

अजित पवार विमान हादसा: रोहित ने सीबीआई जांच की मांग के लिए महाराष्ट्र सरकार पर साधा निशाना

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) विधायक रोहित पवार ने सोमवार को महाराष्ट्र सरकार के उस फैसले की कड़ी आलोचना की, जिसमें उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की मांग की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कदम से जांच में केवल देरी होगी।

कर्जत-जामखेड से विधायक रोहित पवार की यह टिप्पणी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि राज्य सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से 28 जनवरी को बारामती में हुए विमान हादसे की सीबीआई जांच का आदेश देने का अनुरोध किया है। हादसे में अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी।

विधान भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत में रोहित पवार ने कहा कि सीबीआई जांच की मांग वाली एक रिपोर्ट पहले ही संबंधित केंद्रीय मंत्रालय, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) और मुख्यमंत्री सहित सभी संबंधित अधिकारियों को सौंप दी गई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसी के पास लगभग 7,000 लंबित मामले हैं, जिनमें से लगभग 2,500 मामले एक दशक से अधिक समय से लंबित हैं।

कर्मचारियों की मिलीभगत से हरियाणा सरकार के खातों में धोखाधड़ी हुई: आईडीएफसी बैंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वी. वैद्यनाथन ने सोमवार को कहा कि बैंक के कर्मचारियों और बाहरी पक्षों की मिलीभगत के जरिये हरियाणा सरकार के खातों से जुड़ी 590 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने रविवार को खुलासा किया था कि उसके कर्मचारियों और अन्य लोगों द्वारा हरियाणा सरकार के खातों में 590 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गई। शेयर बाजार खुलने से पहले निवेशकों एवं विश्लेषकों के लिए आयोजित विशेष 'कॉन्फ्रेंस कॉल' में वैद्यनाथन ने कहा कि धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप और किसी भी तरह के दबाव को पहले से ही पहचानने की अपनी नीतियों के अनुरूप बैंक कुछ प्रावधान करेगा। उन्होंने कहा कि हालांकि, इससे मुनाफे पर बड़ा असर पड़ने की आशंका नहीं है। उच्च शुद्ध ब्याज मुनाफा और ऋण लागत में सुधार से मदद मिलेगी। अधिकारी ने कहा, '' स्वतंत्र आधार पर हम लाभप्रदता के लिहाज से चौथी तिमाही में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे थे।'' हरियाणा सरकार ने कथित धोखाधड़ी के आरोपों के मद्देनजर एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ-साथ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को भी सरकारी कार्यों के लिए अपनी समिति से बाहर (डी-एम्पैनल्ड) कर दिया है। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने कथित तौर पर धोखाधड़ी से खाते खोलने के मामले में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी से इनकार किया है। वैद्यनाथन ने बताया कि सलाहकार कंपनी केपीएमजी द्वारा किया जा रहा स्वतंत्र 'फोरेंसिक ऑडिट' चार से पांच सप्ताह में पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, '' हमने केपीएमजी को कल (रविवार) ही इसके लिए नियुक्त किया है मेरी समझ के अनुसार ऐसी प्रक्रियाएं आमतौर पर चार-पांच सप्ताह लेती हैं।'' प्रबंध निदेशक ने कहा कि बैंक ने करीब 590 करोड़ रुपए की गड़बड़ी का आकलन किया है, जिसमें 490 करोड़ रुपए मिलान (रिकंसिलिएशन) के बाद पहचाने गए और अतिरिक्त 100 करोड़ रुपए आंतरिक जांच के दौरान स्वयं चिन्हित किए गए। उन्होंने संकेत दिया कि यह राशि आगे बढ़ने के आसार नहीं है। वैद्यनाथ ने कहा, '' हमने यह आंकड़ा वर्तमान आकलन के आधार पर जारी किया है । हमें इसमें आगे कोई बड़ा बदलाव होने के आसार नजर नहीं आते।'' उन्होंने बताया कि वसूली और 35 करोड़ रुपए का '' कर्मचारी बेईमानी बीमा'' कवर, बैंक पर प्रभाव को कम कर सकता है।

वैद्यनाथन ने इस प्रकरण को जाली भौतिक चेक लेनदेन के जरिये कर्मचारियों और बाहरी पक्षों की ''मिलीभगत'' का मामला बताते हुए कहा कि यह मुद्दा एक इकाई और एक ग्राहक समूह तक सीमित था। यह किसी प्रणालीगत 'रिपोर्टिंग' त्रुटि का मामला नहीं है। उन्होंने कहा कि बैंक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, नियामकों और लेखा परीक्षकों को सूचित किया है तथा बैंकिंग तंत्र में वसूली एवं 'लियन-मार्किंग' की कार्रवाई शुरू की है। 'लियन-मार्किंग', बैंक या किसी वित्तीय संस्थान द्वारा खाते की एक निश्चित राशि को अस्थायी रूप से 'फ्रीज' (ब्लॉक) करने की प्रक्रिया है।

सिद्धरामय्या ने मनरेगा को खत्म करने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिक्कबल्लापुर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर मनरेगा योजना को समाप्त करने का आरोप लगाया और इसे बहाल करने तक निरंतर आंदोलन जारी रखने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री ने यहां 'मनरेगा बचाओ संग्राम' रैली को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाए गए नए कानून के माध्यम से ग्रामीण रोजगार योजना को प्रतिस्थापित करने के खिलाफ कांग्रेस पूरे देश में लड़ाई लड़ेगी। सिद्धरामय्या ने आरोप लगाया, आज पूरे देश में 'मनरेगा बचाओ' अभियान शुरू हो गया है। कर्नाटक में भी इसकी शुरुआत हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान मनरेगा को रद्द कर दिया और इसके स्थान पर विकसित भारत गारंटी रोजगार आजीविका मिशन-ग्रामीण (वीबी जी राम जी) अधिनियम लागू कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना को रद्द करने का कोई औचित्य नहीं था। उन्होंने याद दिलाया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को 2005 में दिवंगत मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते हुए सोनिया गांधी के नेतृत्व में ग्रामीण मजदूरों, आदिवासियों, छोटे किसानों और महिलाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए लागू किया गया था।

सिद्धरामय्या ने आरोप लगाया कि इस कानून को संसद में पर्याप्त बहस के बिना ही पारित कर दिया गया। उन्होंने कहा, 17 दिसंबर, 2025 को केवल आठ घंटे की बहस हुई। 18 दिसंबर को विधेयक पारित हो गया और ग्राम स्वराज अधिनियम लागू हो गया। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मनरेगा को रद्द करने से लगभग 12 करोड़ मजदूर प्रभावित हुए हैं, जिनमें से लगभग 53 प्रतिशत महिलाएं और 28 प्रतिशत अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के हैं।

उन्होंने महात्मा गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि इस योजना का नाम उनके (महात्मा गांधी के) नाम पर रखा गया था क्योंकि उनका मानना ङ्कङ्कथा कि गांवों के विकास और 'ग्राम स्वराज' के बिना भारत प्रगति नहीं कर सकता।

सिद्धरामय्या ने बताया कि मनरेगा के तहत, गांव में काम चाहने वाला कोई भी व्यक्ति ग्राम पंचायत में आवेदन कर सकता था और उसे साल में 100 दिन के रोजगार की गारंटी दी जाती थी, ऐसा न होने पर मुआवजा देना पड़ता था। सिद्धरामय्या ने आरोप लगाया कि नए कानून ने ग्राम पंचायतों की शक्तियों को कम कर दिया और निर्णय लेने का अधिकार केंद्र सरकार के पास स्थानांतरित कर दिया। उन्होंने कहा, अब यह तय करने का अधिकार केंद्र सरकार के पास है कि कौन सा काम किया जाएगा। दिल्ली से धनराशि स्वीकृत हुए बिना पंचायत में काम शुरू नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे काम का असमान कार्यान्वयन होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक ये मांगें पूरी नहीं हो जातीं, आंदोलन जारी रहेगा। सिद्धरामय्या ने कहा, जब तक ये मांगें पूरी नहीं हो जातीं, हमारा आंदोलन नहीं रुकेगा।

सिद्धरामय्या और कुमारस्वामी के बीच जाति और 'कुर्सी' की राजनीति को लेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी के बीच रविवार को तीखी बयानबाज़ी देखने को मिली। दोनों नेताओं ने जातीय राजनीति, परिवारवाद और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए। मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या द्वारा कुमारस्वामी के इस आरोप को खारिज किए जाने के बाद विवाद और तेज हो गया कि उन्होंने (मुख्यमंत्री ने) सत्ता में बने रहने के लिए जाति का सहारा लिया है। सिद्धरामय्या ने जद(एस) नेतृत्व पर पलटवार करते हुए कहा, मैंने इस आरोप को हल्के में लिया है कि मैंने कुर्सी के लिए जाति को मुद्दा बनाया है। मुख्यमंत्री ने जद(एस) संरक्षक एच डी देवेगौड़ा और उनके परिवार पर निशाना साधते हुए कहा, कुमारस्वामी और उनके पूजनीय पिता देवेगौड़ा निश्चित रूप से जातिवादी नहीं हैं; वे तो अपनी ही जाति के खिलाफ हैं। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि वे परिवार-केंद्रित हैं। उनके लिए जाति केवल एक वोट बैंक है। उन्होंने आरोप लगाया, ''जद(एस) के अतीत, वर्तमान और भविष्य के शीर्ष नेता गौड़ा परिवार के ही सदस्य होंगे।'' साथ ही उन्होंने यह भी दावा किया कि वोक्कालिगा समुदाय के नेताओं को राजनीतिक रूप से आगे बढ़ाने का काम कांग्रेस ने किया है।

उन्होंने कहा, केंगल हनुमंथैया से लेकर एस एम कृष्णा तक, सैकड़ों वोक्कालिगा नेताओं को तैयार किया गया है। अगर केंगल हनुमंथैया, कदिदल मंजप्पा और एस एम कृष्णा मुख्यमंत्री बने, तो यह कांग्रेस की वजह से ही संभव हुआ। सिद्धरामय्या द्वारा उनके पिता के विरुद्ध की गई टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कुमारस्वामी ने कहा, आप सामाजिक न्याय के समर्थक नहीं बल्कि उसके विनाशक हैं। यह चौंकाने वाली बात है कि आप देवेगौड़ा पर उंगली उठा रहे हैं, जिन्होंने आपको राजनीतिक ताकत प्रदान की। उन्होंने कहा कि यदि देवेगौड़ा केवल जाति या पारिवारिक विचारों से प्रेरित होते, तो सिद्धरामय्या राजनीति में इतना आगे नहीं बढ़ पाते। कुमारस्वामी ने कहा, ''यदि उन्होंने उस समय केवल अपनी जाति और परिवार के बारे में सोचा होता, तो आप न तो वित्त मंत्री बनते और न ही किसी निगम के अध्यक्ष का पद हासिल कर पाते।''

जद (एस) छोड़कर गए कई वोक्कालिगा नेताओं की सूची का मुख्यमंत्री द्वारा जिक्र किए जाने पर कुमारस्वामी ने कहा, आपकी ही तरह, उन्होंने भी देवेगौड़ा की मेहनत और बलिदान के कारण सत्ता का आनंद लिया और रुतबा हासिल किया, और बाद में पाला बदल लिया। जैसा कि आप कहते हैं, यदि देवेगौड़ा का मानना ङ्कङ्कहोता कि सिर्फ परिवार ही मायने रखता है, तो सूची में शामिल कोई भी व्यक्ति विधायक, मंत्री या सांसद नहीं बनता-आप भी नहीं! आपका क्या कहना है? उन्होंने सिद्धरामय्या द्वारा अपने बचाव में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का हवाला दिए जाने पर भी आपत्ति जताई। कुमारस्वामी ने मुख्यमंत्री के इस दावे को खारिज किया कि वोक्कालिगा नेताओं का ध्यान केवल कांग्रेस ने ही रखा है। उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में सिद्धरामय्या के दूसरे कार्यकाल और उनके तथा उनके उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बीच कथित सत्ता संघर्ष पर भी सवाल उठाए।

कुमारस्वामी ने कहा कि सिद्धरामय्या के दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने से पहले उनके और शिवकुमार के बीच एक समझौता हुआ था तथा अब उन्हें उदारता दिखाते हुए इसे सार्वजनिक रूप से प्रकट करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''आपके सामाजिक न्याय में कोई नैतिक आधार नहीं है। अगर होता तो मल्लिकार्जुन खरगे आपसे पहले मुख्यमंत्री बन चुके होते।'' बाद में रायचूर में पत्रकारों से बातचीत में कुमारस्वामी ने कहा कि मुख्यमंत्री जो अपनी कुर्सी बचाने के लिए अपनी कुरुबा (चरवाहा) जाति का सहारा ले रहे हैं, उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि देवेगौड़ा ने उन्हें (सिद्धारमैया को) अपनी सरकार में उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री बनाया था।

रणजी फाइनल में कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर के बीच खिताबी भिड़ंत आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। प्रतिष्ठित घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी के फाइनल मकाबले में कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर की टीमें आमने-सामने होंगी। हुब्बल्ली के केएससीएस हुब्बली क्रिकेट मैदान में मंगलवार को सुबह 9.30 बजे से यह मुकाबला होगा। अपने घरेलू मैदान कर्नाटक टीम उत्साहित नजर आ रही है। कर्नाटक के कप्तान देवदत्त पडिक्कल ने पत्रकारवार्ता में कहा कि हुब्बल्ली में फाइनल खेलना टीम के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि मैदान पर पिछले मुकाबलों में टीम को दर्शकों का अच्छा समर्थन मिला और खिलाड़ी पूरी तरह तैयार हैं। पडिक्कल ने स्वीकार किया कि फाइनल होने के कारण दबाव स्वाभाविक है, लेकिन सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक क्रिकेट टीम में केएल राहुल, मयंक अग्रवाल, करण नायर और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं, जिससे टीम मजबूत बनी हुई है। उन्होंने भरोसा जताया कि टीम खिताब जीतने के लिए पूरा जोर लगाएगी। दूसरी ओर जम्मू और कश्मीर क्रिकेट टीम के कप्तान पारस डोगरा ने कहा कि उनकी टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है और खिलाड़ी अपना स्वाभाविक खेल दिखाने को तैयार हैं। उन्होंने मुंबई के खिलाफ मिली जीत का जिक्र करते हुए कहा कि टीम यहां भी सकारात्मक परिणाम की उम्मीद कर रही है। मुकाबले से पहले दोनों टीमों ने अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। क्रिकेट प्रेमियों को फाइनल में कड़े मुकाबले की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने स्कूलों, कॉलेजों में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लगाने का विचार रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या ने स्कूलों और कॉलेज परिसरों में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लगाने का विचार रखा है। शनिवार को कुलपतियों के सम्मेलन में कुलपतियों और वरिष्ठ शिक्षा प्रशासकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया की लत और बच्चों पर इसके प्रभाव को लेकर बढ़ती चिंताओं के मद्देनजर सरकार इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार कर रही है। इस सम्मेलन में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत भी मौजूद थे।

अंतिम निर्णय लेने से पहले मुख्यमंत्री ने शैक्षणिक प्रमुखों की राय मांगी। सिद्धरमैया ने कहा, ''16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए, यदि हम कम से कम कक्षाओं और विद्यालयों में मोबाइल के इस्तेमाल पर प्रतिबंध अनिवार्य कर दें, तो यह बहुत अच्छा होगा।'' उन्होंने कहा कि कई देशों ने पहले ही इसी तरह के कदम उठाए हैं और ऑस्ट्रेलिया और कई यूरोपीय देशों ने स्कूली बच्चों के मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। उन्होंने

कुलपतियों से पूछा, ''हम देख रहे हैं कि कई बच्चे सोशल मीडिया के जाल में फंसकर बिगड़ रहे हैं। 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लगाने के बारे में आपकी क्या राय है?'' कुछ कुलपतियों ने प्रस्ताव का समर्थन करते हुए इसे बहुत अच्छा निर्णय बताया, जबकि अन्य ने गृहकार्य, संवाद और सुरक्षा के लिए मोबाइल प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल समेत व्यावहारिक चुनौतियों का जिक्र किया। सिद्धरामय्या ने हालांकि इस बात पर जोर दिया कि कम से कम कक्षाओं के भीतर मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ देशों में उच्च शिक्षा संस्थानों में भी छात्रों को अपने फोन कक्षाओं के बाहर छोड़ने पड़ते हैं। उन्होंने जोर दिया कि शैक्षणिक संस्थानों में स्वस्थ माहौल बनाना अत्यंत आवश्यक है और परिसर में खुली राजनीतिक गतिविधियों के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों की अपनी-अपनी भूमिकाएं हैं, लेकिन परिसरों में किसी एक दल की विचारधारा का खुलेआम प्रचार करना सही तरीका नहीं है। राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने पुष्टि की कि सरकार 16 वर्ष से कम उम्र के छात्रों के लिए मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लगाने संबंधी प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार कर रही है।

छोटी उम्र से मोबाइल फोन के इस्तेमाल से शैक्षणिक प्रदर्शन पर पड़ने वाले प्रभाव से संबंधित अध्ययनों का हवाला देते हुए, उन्होंने सोमवार को पत्रकारों से कहा कि ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के कई देशों ने पहले ही इसी तरह के प्रतिबंध लागू कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार अंतिम निर्णय लेने से पहले इसके फायदे और नुकसान का विश्लेषण करेगी।

विपक्ष दलित मुख्यमंत्री का मुद्दा ध्यान भटकाने के लिए उठा रहा है : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को विपक्ष पर शासन से ध्यान भटकाने के लिए दलित मुख्यमंत्री के मुद्दे पर 'अनावश्यक रूप से बहस छेड़ने' का आरोप लगाया। यहां

संवाददाताओं से बातचीत करते हुए परमेश्वर ने कहा कि दलित मुख्यमंत्री को लेकर चल रही चर्चा को विपक्षी दलों द्वारा तूल दिया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया, यह विपक्ष का काम है। अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए वे मुख्यमंत्री का मुद्दा उठा रहे हैं। क्या प्रशासन सुचारू रूप से नहीं चल रहा है? क्या मुख्यमंत्री शासन नहीं कर रहे हैं? मंत्री ने कहा कि पिछले 10-12 दिनों से सभी विभागों में बजट पर विस्तृत चर्चा हुई है और सरकार का कामकाज सही से चल रहा है। दलित समुदाय से आने वाले परमेश्वर ने कहा कि केवल कांग्रेस के पास ही दलित मुख्यमंत्री बनाने की राजनीतिक इच्छाशक्ति है और उसका ही ऐसा इतिहास रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह के किसी भी फैसले का समय, पार्टी के आलाकमान द्वारा तय किया जाएगा।

उन्होंने कहा, हां, यह काम कांग्रेस पार्टी को ही करना चाहिए। और कौन करेगा? मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या द्वारा जनता दल सेक्युलर (जदएस) पर निशाना साधने और सामाजिक न्याय का हवाला देने वाले बयान पर परमेश्वर ने कहा कि सिद्धरामय्या पहले 'जदएस' का हिस्सा थे और निष्कासित होने से पहले इसके अध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि उस पार्टी का आंतरिक इतिहास वही लोग सबसे बेहतर जानते हैं जो उसमें रह चुके हैं। मुख्यमंत्री के वैचारिक रुख का बचाव करते हुए परमेश्वर ने कहा कि सिद्धरामय्या की राजनीति हमेशा सामाजिक न्याय पर आधारित रही है और उनके इस रुख में कुछ भी नया या अवसरवादी नहीं है।

कॉलेज छात्रा ने निजी विला में सामूहिक बलात्कार का आरोप लगाया, दो लोगों पर मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में कॉलेज की 19-वर्षीय एक छात्रा से सामूहिक बलात्कार करने के आरोप में दो व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। छात्रा ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने उसे जबरन गोली खिलाकर उसका यौन उत्पीड़न किया। पीड़िता ने दावा किया कि यह घटना 15 फरवरी को बेंगलूरु के एक निजी विला में हुई थी। इस संबंध में पीड़िता 22 फरवरी को अमृतहल्ली पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने पहुंची थी, लेकिन इससे एक दिन पहले ही दोनों आरोपियों की शिकायत के आधार पर उस छात्रा के खिलाफ मल्लेश्वरम पुलिस थाने में मामला दर्ज किया जा चुका था।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, आरोपियों ने अपनी शिकायत में कहा है कि छात्रा अपने परिचित एक व्यक्ति (पुरुष) के साथ मिलकर कुछ वीडियो क्लिप के

आधार पर उनसे 10 लाख रुपये वसूलने की कोशिश कर रही थी। अधिकारी ने बताया, ''छात्रा के बयान के आधार पर हमने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। हम दोनों पक्षों द्वारा लगाए गए आरोपों के आधार पर मामले की जांच कर रहे हैं।''

अमृतहल्ली थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार, शहर के एक कॉलेज में स्नातक प्रथम वर्ष की छात्रा ने बताया कि जनवरी 2026 में इंस्टाग्राम के जरिये उसकी पहचान दोनों में से एक आरोपी से हुई थी। दोनों फोन एवं सोशल मीडिया के जरिये नियमित संपर्क में थे। प्राथमिकी के अनुसार, ''14 फरवरी को कॉलेज के बाद वह एक दोस्त के साथ रात के खाने के लिए बाहर गई थी। देर रात, आरोपी ने कथित तौर पर उसे पार्टी के लिए जक्कूर स्थित एक विला में आने को कहा। वह रात करीब 1:15 बजे अपने दोस्त के साथ विला पहुंची, जहां आरोपी और एक अन्य व्यक्ति मौजूद थे।

शिकायत में छात्रा ने आरोप लगाया कि दोनों व्यक्तियों ने जबरन उसके मुंह में गुलाबी रंग की एक गोली डाल दी, जिससे कुछ ही मिनट बाद वह बेहोश हो गई। प्राथमिकी के अनुसार, जब वह आंशिक रूप से होश में आई तब भी आरोपियों में से एक उसे गंदे तरीके से छू रहा था। बाद में दोनों आरोपियों ने उसके प्रतिरोध के बावजूद उसका यौन शोषण किया। उसने कहा कि अगले दिन आरोपियों ने उसे एक मॉल के पास छोड़ दिया, साथ ही उसे इस बारे में किसी को न बताने की धमकी दी। उसने 17 फरवरी को शहर के एक अस्पताल में उपचार कराया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

मुस्लिम महिला को दिया कंबल वापस लेने पर भाजपा के पूर्व सांसद की आलोचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया एक कार्यक्रम में मुस्लिम महिला का नाम पता चलने पर उसे दिया गया कंबल वापस लेने की कथित घटना से कांग्रेस के निशाने पर आ गए हैं। कांग्रेस नेताओं के अनुसार जौनपुरिया के व्यवहार की आलोचना करते हुए कहा कि उनके द्वारा गरीब मुस्लिम महिला से कंबल वापस लेना एवं अपमानजनक व्यवहार करना शर्मनाक और घोर निंदनीय है। यह कतिपय घटना रविवार दोपहर टोंक जिले की निवाई तहसील के करेड़ा बुजुर्ग गांव के मंदिर परिसर में कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार शुरू में वहां मौजूद महिलाओं को कंबल दिए गए लेकिन बाद में मुस्लिम महिला से कंबल वापस ले लिया।

कार्यक्रम के एक कथित वीडियो क्लिप में जौनापुरिया को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि जो लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गाली देते हैं उन्हें कंबल लेने का हक नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यह उनका व्यक्तिगत कार्यक्रम था और इसका किसी सरकारी योजना से संबंध नहीं था। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कांग्रेस के अन्य नेताओं ने इस घटना को लेकर पूर्व सांसद पर निशाना साधा। वहीं युवा कांग्रेस एक स्थानीय नेता ने गांव जाकर उस महिलाओं को कंबल बांटे और भाजपा पर लोगों को बांटने की राजनीति करने का आरोप लगाया।

इसको लेकर सोमवार को गांव में वरिोध प्रदर्शन भी हुआ। जूली ने जौनपुरिया की निंदा करते हुए कहा, एक जनप्रतिनिधि जो सांसद जैसे पद पर विराजमान रहे हों, वह इस तरह की हरकत करें यह बिल्कुल निंदनीय है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा ने कहा कि पूर्व सांसद जौनपुरिया द्वारा गरीब मुस्लिम महिला से कंबल वापस लेना एवं अपमानजनक व्यवहार करना शर्मनाक और घोर निंदनीय है।उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीति एवं आरएसएस की विचारधारा नफरत, ध्रुवीकरण और बांटने की हो, तो जमीनी स्तर पर भाजपा नेताओं का ऐसा घटिया बर्ताव सामने आना आश्चर्य की बात नहीं है।' टोंक से विधायक और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने जौनपुरिया की आलोचना करते हुए कहा, भाजपा व आरएसएस की मानवीय दृष्टिकोण और संवेदनाओं की व्याख्या में करुणा के बजाय नफरत झलकती है। एक गरीब, जरूरतमंद महिला को कंबल देने से वंचित करना और उसका अपमान करना बेहद निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है।उन्होंने कहा, धर्म और जाति के आधार पर भेदभाव करना न केवल नैतिक रूप से गलत है, बल्कि संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन भी है। टोंक-सवाई माधोपुर से कांग्रेस सांसद हरीश चंद्र मीणा ने भी जौनापुरिया के व्यवहार की आलोचना की है। उन्होंने कहा, जौनपुरिया द्वारा मुस्लिम रोजेदार महिलाओं से किया गया व्यवहार न केवल निंदनीय है बल्कि इस देश के सामाजिक ताने बाने को नष्ट करने वाली विघटनकारी सोच का परिणाम है। कांग्रेस नेताओं ने इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए इसकी भर्तसना की।

पूर्व सांसद प्रधानमंत्री मोदी के 28 फरवरी को अजमेर में प्रस्तावित दौरे के लिए लोगों को आमंत्रित करने गए थे। इस बीच युवक कांग्रेस के नेता विक्रम चौधरी ने करेड़ा गांव का दौरा किया और मुस्लिम महिलाओं को कंबल बांटे। उन्होंने पूर्व सांसद पर सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, भाजपा की तुच्छ सोच लोगों को हिंदू और मुसलमान में बांटने की की है।'

वहीं सोमवार को गांववाले इकट्ठा हुए और पूर्व सांसद के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान जौनापुरिया का पुतला जलाया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व निवाई के पूर्व कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष राजेश चौधरी ने किया। उन्होंने कहा,' हमारे गांव की महिलाओं का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'

जयकारों के साथ कोलसिया से खाटूधाम के लिए रवाना हुई पदयात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नवलगढ़। झुंझुनूं जिले के कोलसिया गांव से सोमवार को खाटूधाम के लिए पदयात्रा रवाना हुई।

इस अवसर पर श्यामभक्तों ने बाबा की झांकी सजाई और जयकारे लगाए। उन्होंने श्याम ध्वजा का पूजन किया और बाबा की ज्योति ली।

श्यामभक्त ओम प्रकाश शर्मा (ढाणी मझाऊ) और सीताराम शर्मा ने बताया कि वर्ष 1997 से हर साल खाटू श्यामजी के लिए यह पदयात्रा जाती है, जिसमें अनेक श्रद्धालु शामिल होते हैं। यात्रा को लेकर गांव में कई महीने पहले ही उत्साह का माहौल बन जाता है।

इससे जुड़े विभिन्न कार्यों का जिम्मा श्रद्धालु संभालते हैं। यात्रा के रवाना होने से पहले सबको प्रसाद का वितरण किया गया। गांव से आए हुए अन्य श्रद्धालुओं ने यात्रा के लिए मंगल कामना की।

'भाजपा सरकार में योजनाओं का लाभ सीता को मिलता है तो सलमा को भी', सुखवीर जौनपुरिया के बचाव में आए बाल मुकुंद आचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक बाल मुकुंद आचार्य ने 'कंबल वितरण' विवाद पर पार्टी के पूर्व सांसद सुखवीर सिंह जौनपुरिया का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि यह हिंदू-मुस्लिम का मामला नहीं है। भाजपा सरकार में योजनाओं का लाभ राम को भी मिलता है और रहीम को भी मिलता है। इसी तरह लाभ सीता को मिलता है तो सलमा को भी मिलता है। विवाद उस समय शुरू हुआ, जब टोंक जिले की निवाई तहसील क्षेत्र में सुखवीर सिंह जौनपुरिया ने कथित तौर पर मुस्लिम महिलाओं को कंबल नहीं दिया। वीडियो में पूर्व सांसद को कहते सुना गया, जो प्रधानमंत्री को गाली देता है, उसे कंबल लेने का हक ही नहीं है।

भाजपा विधायक बाल मुकुंद आचार्य ने कहा, देखिए, इसमें हिंदू और मुस्लिम का विषय नहीं है। भाजपा के कार्यकर्ता होने के नाते मैं भी प्रधानमंत्री मोदी के बारे में अपशब्द नहीं सुन सकता हूं। यहां तक कि देश की करोड़ों-करोड़ों आबादी भी प्रधानमंत्री जी के बारे में अपशब्द नहीं सुनना चाहेगी।उन्होंने सवाल किया, भारत के प्रधानमंत्री को सभी ने मिलकर चुना है, लेकिन अगर कोई प्रधानमंत्री को अपमानित करने का काम करेगा, तो क्या उसकी आरती उतारी जाएगी?कांग्रेस पर निशाना साधते हुए बाल मुकुंद ने कहा, सरकार के ऐतिहासिक कामों को करने के बाद भी राहुल गांधी और उनके कार्यकर्ता एआई समिट में जाकर हंगामा करेंगे, कपड़े उतारेंगे, नंगा नाच करेंगे।

देश और दुनिया के लोग जहां हिस्सा ले रहे हैं, वहां वे (कांग्रेस) जाकर देश का नाम खराब करने का प्रयास करेंगे। जो हमारे शत्रु भाव रखने वाले देश हैं, उनमें जाकर भारत की बुराइयां करेंगे, उनसे मित्रता निभाएंगे। उन्होंने फिर दोहराया कि यह हिंदू-मुस्लिम का मामला नहीं है। हम बिल्कुल भी तुष्टिकरण और भेदभाव की राजनीति नहीं करते हैं। हम सभी का सामूहिक रूप से विश्वास जीतकर विकास का काम करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार में योजनाओं का लाभ राम को भी मिलता है और रहीम को भी मिलता है। सलमा को भी मिलता है और सीता को भी मिलता है।

ब्रिक्स वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक गवर्नरों की प्रथम बैठक का होगा आयोजन : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में आयोजित होने वाली ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की प्रथम बैठक की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सचिवालय में सोमवार को समीक्षा बैठक ली। बैठक में आर्थिक मामलात विभाग वित्त मंत्रालय भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक के उच्च अधिकारिगण उपस्थित रहे। मुख्य सचिव ने कहा कि जयपुर में इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय बैठक का आयोजन राज्य के लिए गर्व और सौभाग्य की बात है। यह अवसर राज्य की संस्कृति, पर्यटन, विकास और प्रशासनिक क्षमता को विश्व स्तर पर प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध रूप से तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने 4 से 7 मार्च के प्रस्तावित कार्यक्रमों में मंत्रिस्तरीय बैठक, प्रतिनिधियों के आगमन, आवास, परिवहन, सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भ्रमण तथा अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रतिनिधिमंडलों की आवाजाही के लिए सुचारु परिवहन व्यवस्था, पायलट वाहन तथा आवश्यकतानुसार रूट क्लीयरेंस सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आयोजन स्थल, होटलों, भ्रमण स्थलों एवं मार्गों पर कड़ी सुरक्षा रखने के निर्देश दिए। उन्होंने शहर के प्रमुख मार्गों, आयोजन स्थलों एवं भ्रमण मार्गों की साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण और रखरखाव सुनिश्चित करने को कहा। स्वास्थ्य सुविधाओं के तहत 24 घंटे चिकित्सा दल, एंबुलेंस, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता तथा नजदीकी अस्पतालों से समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव ने आमेर किले में प्रस्तावित भ्रमण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, लोकनृत्य, संगीत और आतिथ्य की परंपरा की झलक विश्व समुदाय को दिखनी चाहिए। प्रतिनिधियों के लिए प्रशिक्षित गाइड, पार्किंग व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रतिनिधियों के लिए राज्य की कला एवं हस्तशिल्प से जुड़े स्मृति-चिह्न तैयार करने तथा पर्यटन पुस्तिका की व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडलों के साथ समन्वय के लिए लायज़न अधिकारियों की नियुक्ति तथा प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में आर्थिक मामलात विभाग वित्त मंत्रालय भारत सरकार की अतिरिक्त सचिव श्रीमती अनु पी. मथाई, संयुक्त सचिव अमित सिंगला और निदेशक प्रकाश राजपुरोहित सहित जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यटन एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग भास्कर आत्माराम सावंत, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (इंटेलिजेंस), पुलिस आयुक्त जयपुर, विभिन्न विभागों के शासन सचिव तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बंदरों को प्राकृतिक स्थानों पर छोड़ने के लिए सरकार प्रयासरत

जयपुर। नगरीय विकास राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने सोमवार को विधान सभा में कहा कि बंदरों से आमजन को हो रही समस्याओं के समाधान के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। बंदरों की जनसंख्या में वृद्धि और उनके प्राकृतिक आवासों में मानवीय हस्तक्षेप से बंदरों का सघन आबादी क्षेत्र में पलायन होने लगा है।

जोधपुर में शादी से पहले जहर खाने से दो बहनों की मौत

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर जिले के मनाई गांव में शुक्रवार सुबह मृत मिलीं दो बहनों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जहर से हुयी मौत मौत का पता चला है । पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान शोभा (25) और विमला (23) के रूप में हुई है, जिनका शनिवार को विवाह होना था। बृहस्पतिवार रात जब यह घटना हुई तब शादी की तैयारियां जोरों पर थीं। पुलिस के अनुसार, दोनों बहनें एक निजी स्कूल में काम करती थीं और माना जा रहा है कि वे अपने विवाह के रिश्तों से खुश नहीं थीं। मामले की जांच के तहत पुलिस ने दोनों बहनों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं ताकि फोन संबंधित सभी गतिविधियों की जांच की जा सके। पुलिस ने उनके पिता दीप सिंह से भी पूछताछ की है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उन्होंने आत्महत्या की थी या इसमें पारिवारिक विवाद जैसे अन्य कारक शामिल थे। युवतियों के मामा ने दावा किया कि बहनें इस व्यवस्था से नाखुश थीं, और इसी वजह से उन्होंने यह कदम उठाया होगा।

बीकानेर में नाबालिग से दुष्कर्म व हत्या का मामला विधानसभा में उठा, कांग्रेस का बहिर्गमन

जयपुर। राजस्थान के बीकानेर जिले में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या का मामला सोमवार को विधानसभा में उठा और सत्ता पक्ष और विपक्ष को लेकर इस मुद्दों को लेकर तीखी बहस हुई। सदन में ध्यानाकर्ष प्रस्ताव के तहत उठे इस मुद्दे पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने बताया कि घटना 21 फरवरी की है। उन्होंने बताया कि स्कूल जाने के लिए निकली 12 साल की लड़की के साथ दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा,आरोपी की पहचान व तुरंत अनुसंधान के लिए विशेष टीम गठित की गई हैं जो संदिग्धों से पूछताछ कर रही हैं। हमारी टीम गहनता से अनुंसधान में लगी हैं। मंत्री ने कहा,नाबालिग का शव मुर्दाघर में रखा है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर हैं। कानून व्यवस्था नियंत्रण में है। मैं इतना ही कह सकता हूं कि अपराधी कोई भी हो राजस्थान की पुलिस उसको पकड़कर सलाखों के पीछे पहुंचाएगी।

सरपंच गाँव के सुख दुख के सहभागी ही नहीं वहां के विकास के सच्चे भागीरथ बने : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि सरपंच गाँव के विकास कार्यकर्ता के साथ भारत विकास के संवाहक बने। उन्होंने कहा कि राजस्थान धर्म धरा है। यहां गौपालन की परम्परा गांव – गांव है। नंदी संरक्षण के लिए भी अब काम होना चाहिए। उन्होंने गांवों का विकास सुनियोजित योजना बनाकर किए जाने का भी आह्वान किया। उन्होंने सरपंचों को गांवों में विद्यालय और सार्वजनिक स्थलों के भवनों की स्थिति पर निगरानी रखने, गांवों के विद्यालयों के प्रभावी संचालन और बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दिये जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्राथमिक शिक्षा बच्चों की बौद्धिक क्षमता निर्माण की नींव है। इस पर सभी स्तरों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाए। उन्होंने गांवों में बच्चों का आत्मविश्वास जगाने और उन्हें सिविल सेवाओं और उच्च पदों की परीक्षाओं के लिए आरम्भ से ही मन से तैयार किए जाने के लिए कार्य करने पर जोर दिया।

राज्यपाल बागड़े सोमवार को एक निजी होटल में ग्राम संसद कार्यक्रम में सरपंच संवाद में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरपंच गाँव के सुख – दुख के सहभागी ही नहीं वहां के विकास के सच्चे भागीरथ बने। गाँव विकास के लिए ग्राम पंचायतें इस बात का ख्याल रखें कि जिन्हें आवश्यकता है, जो वंचित और पिछड़े हैं, उन्हें सही मायने में उनका लाभ मिले। उन्होंने सरपंचों को गांवों में जल, विद्युत आदि की सर्वसुलभता सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध होकर कार्य किए जाने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान को इस बात का गौरव है कि देश में यहां सबसे पहले पंचायत राज व्यवस्था नागौर के एक गांव से प्रारंभ हुई। उन्होंने पंचायतराज व्यवस्था को ग्राम लोकतंत्रीकरण के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राजस्थान में जब भैरोंसिंह शेखावत मुख्यमंत्री थे तो गांवों के विकास की महत्वपूर्ण योजनाओं की पहल की। उन्होंने कहा कि सरपंच गांव विकास की सशक्त कड़ी है। सरपंच गाँवों में मार्ग खुलवाने, सड़क निर्माण, आवास और हर घर जल के अंतर्गत निरंतर कार्य करें। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने हर घर जल की योजना की ऐतिहासिक पहल इसलिए की है कि गांव के हर घर में पानी पहुंच सके।

राज्यपाल ने पिपलांत्री पंचायत समिति में बच्चियों के जन्म लेने पर पेड़ लगाने की चर्चा करते हुए कहा कि इस तरह से एक करोड़ पेड़ किसी सरपंच द्वारा लगाना और लगने के बाद उनका संरक्षण प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि आज भारत में 2 लाख 55 हजार ग्राम पंचायतें हैं। राजस्थान में 11 हजार 266 ग्राम पंचायतें हैं। इन सबका विकास यदि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनेगी तभी भारत तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़ सकेगा। उन्होंने गांव के लोगों के प्रति श्रद्धा रखकर सरपंचों को काम करने का आह्वान किया।

साध्वी प्रेम बाईसा मौत मामला : कंपाउंडर देवी सिंह को मिली बेल

जोधपुर। प्रसिद्ध साध्वी प्रेम बाईसा की अचानक हुई मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कंपाउंडर देवी सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। हालांकि, कानूनी प्रावधानों के चलते आरोपी को पुलिस थाने से ही जमानत मिल गई है। पुलिस अब इस मामले में तकनीकी साक्ष्यों और दस्तावेजों की जांच में जुट गई है। इछड की धारा 106(1) के तहत मामला दर्ज पुलिस ने आरोपी कंपाउंडर देवी सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) के तहत केस दर्ज किया है। चूंकि इस धारा में सजा का प्रावधान 2 साल तक है, इसलिए नियमानुसार पुलिस ने आरोपी से थाने पर ही बेल बॉण्ड (जमानत मुचलका) भरवाकर उसे छोड़ दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने देवी सिंह की योग्यता पर सवाल उठाए हैं। पुलिस ने आरोपी से उसकी नर्सिंग की डिग्री और अन्य शैक्षणिक दस्तावेज मांगे हैं। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या देवी सिंह के पास इलाज करने या दवा देने की वैध डिग्री थी या वह बिना योग्यता के यह कार्य कर रहा था। जांच अधिकारी ने बताया कि मामले के साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और आरोपी के बयानों के आधार पर पुलिस जल्द ही कोर्ट में चालान पेश कर सकती है।

प्रधानमंत्री की अजमेर की प्रस्तावित यात्रा को लेकर मुख्य सचिव ने की तैयारियों की समीक्षा

जयपुर/दक्षिण भारत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रदेश में अजमेर की प्रस्तावित यात्रा के मद्देनज़र मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को शासन सचिवालय में तैयारियों की समीक्षा की।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान प्रस्तावित उद्घाटन एवं शिलान्यास कार्यक्रमों की चर्चा करते हुए सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाए रखते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तथा 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना के क्रियान्वयन की स्थिति तथा खनन एवं श्रम क्षेत्र से जुड़े विषयों की भी समीक्षा की। बैठक में समस्त विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव और शासन सचिव मौजूद रहे ।

ममता बनर्जी के शासन में बंगाल की हालत से हूं 'दुखी', राज्य में बदलाव 'अपरिहार्य': मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। विधानसभा चुनाव की घोषणा से कुछ सप्ताह पहले पश्चिम बंगाल के मतदाताओं से सार्वजनिक अपील करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि वह ममता बनर्जी के मौजूदा शासन में राज्य के विभिन्न वर्गों के नागरिकों की पीड़ा से व्यथित हैं।

ममता ने विकसित पश्चिम बंगाल का निर्माण करके इस हालात को सुधारने का संकल्प जताया। मोदी ने कहा कि राजनीतिक परिवर्तन अपरिहार्य है, लेकिन मतदाताओं द्वारा एक सही निर्णय राज्य को देश के बाकी हिस्सों में देखे गए तेज़ विकास के साथ जोड़ सकता है। बांग्ला में लिखे एक खुले पत्र में, मोदी ने तृणमूल कांग्रेस सरकार को कुशासन और तुष्टीकरण की राजनीति से लेकर फर्जी मतदाताओं, रोजगार की कमी और महिलाओं की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर निशाना बनाया। पत्र की शुरुआत उन्होंने 'जय मां काली' के उद्घोष के साथ की।

प्रधानमंत्री ने चुनाव पूर्व किए गए वादों के तहत संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के माध्यम से शरणार्थियों को नागरिकता देने का वादा किया और राज्य की सीमाओं के माध्यम से घुसपैठ रोकने का संकल्प जताया। मोदी ने कहा, ''स्वतंत्रता के बाद के भारत में बंगाल वित्तीय एवं औद्योगिक दोनों क्षेत्रों में देश का अग्रणी केंद्र हुआ करता था। इसे इस कदर कमजोर और बीमार अवस्था में देखकर मुझे बहुत दुख होता है। छह दशकों के कुशासन और तुष्टीकरण की राजनीति से हुए अपूरणीय नुकसान का वर्णन करना असंभव है।'' उन्होंने कहा, एक ओर जहां रोजगार के अवसरों की कमी के कारण युवाओं को दूसरे राज्यों में पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल की महिलाएं सुरक्षा की कमी के कारण भयभीत और चिंतित हैं। अपने पत्र में स्वामी विवेकानंद, श्री अरविंद, सुभाष चंद्र बोस, रवींद्रनाथ टैगोर और श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे बंगाल की राजनीतिक और सांस्कृतिक विभुतियों का कई बार नाम लेते हुए, मोदी ने वर्तमान समय में पश्चिम बंगाल को जकड़े हुए अराजकता के अंधकार पर अफसोस व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद और श्री अरविंद जैसे महान पूर्वजों द्वारा परिकल्पित पश्चिम बंगाल आज वोट बैंक की राजनीति, हिंसा और अराजकता से ग्रस्त है।

उन्होंने पत्र में कहा कि इस राज्य की धरती के सपूत नेताजी सुभाष चंद्र बोस, जिनकी स्वतंत्रता की पुकार ने कभी पूरे देश को झकझोर दिया था, उनकी पवित्र भूमि आज घुसपैठ और महिलाओं पर अत्याचार से कलंकित है। फर्जी मतदाता वर्तमान में रवींद्रनाथ टैगोर के 'सोनार बांग्ला' पर हावी हैं। प्रधानमंत्री ने लिखा, ''पूरा देश पश्चिम बंगाल में व्याप्त अराजकता के अंधकार से चिंतित है।'' मोदी ने कहा, हम कब तक चुपचाप सहते रहेंगे? बदलाव अब अपरिहार्य है। अन्य राज्यों में जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। गरीबों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई है। आयुष्मान भारत ने स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया है, युवाओं के लिए रोजगार की गारंटी है और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। बंगाल को भी इस विकास का हिस्सा बनना चाहिए।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि वह ''जनता की सेवा करने के अवसर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।'' उन्होंने टैगोर की पंक्ति 'जहां मन भयमुक्त हो और सिर ऊंचा हो' का हवाला देते हुए ''भ्रष्टाचार और कुशासन'' को समाप्त करने का वादा किया। मोदी ने कहा, ''हम महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे, काम के लिए पलायन को कम करेंगे और राज्य की पुरानी शान को बहाल करेंगे। धार्मिक उत्पीड़न का शिकार हुए शरणार्थी भाई-बहनों, जिन्होंने यहां शरण ली है, उन्हें सीएए के माध्यम से नागरिकता दी जाएगी और हम घुसपैठ रोककर कानून का शासन स्थापित करेंगे।'' यह पत्र ऐसे समय आया है जब प्रदेश भाजपा 'गृह संपर्क अभियान' चला रही है, जिसके दौरान पार्टी के नेता अपने जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री का संदेश पहुंचायेंगे।

बिहार में सहकारिता आधारित खेती से जुड़ी संभावनाएं तलाशी जाएंगी : मंत्री

पटना/भाषा। बिहार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने सोमवार को कहा कि राज्य में सहकारिता के क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएं हैं और सहकारिता आधारित खेती से जुड़ी नए अवसर तलाशे जाएंगे।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के 'संवाद कक्ष' में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए डॉ. कुमार ने कहा कि सहकारिता मॉडल को सुदृढ़ करने के लिए जल्द ही बिहार से कई टीम गुजरात भेजी जाएंगी जहां इस बात का अध्ययन किया जाएगा कि सहकारिता के क्षेत्र में किस प्रकार बेहतर कार्य किए गए हैं और उन्हें बिहार में कैसे लागू किया जाए। मंत्री ने कहा कि गुजरात में सहकारिता के सफल मॉडल को राज्य में लागू कर अधिक से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता आधारित खेती के माध्यम से रोजगार सृजन के नए अवसर विकसित किए जा सकते हैं। कुमार ने उदाहरण देते हुए कहा कि गया तिलकुट उत्पादन का एक बड़ा केंद्र है, लेकिन तिल मध्यप्रदेश, तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों से मंगाया जाता है।

असम-अरुणाचल सीमा पर पहले खंभा लगाया जाना 'ऐतिहासिक उपलब्धि': हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि अंतरराज्यीय सीमा विवाद के समाधान के तहत असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच पहला सीमा खंभा लगाया जाना एक 'ऐतिहासिक उपलब्धि' है। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह 'वास्तव में महत्वपूर्ण' है क्योंकि इससे दोनों राज्यों के बीच अंतरराज्यीय सीमाओं को लेकर दशकों से चली आ रही अनिश्चितता का अंत होगा। असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच सीमा पर पहला खंभा रविवार को सेइजोसा में लगाया गया। शर्मा ने कहा, एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। नामसाई घोषणापत्र पर हस्ताक्षर के बाद असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच सीमा पर पहला खंभा पक्के केसांग जिले में लगाया गया है। नामसाई घोषणापत्र पर शर्मा और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने 15 जुलाई, 2022 को हस्ताक्षर किए थे। घोषणापत्र से असम और अरुणाचल प्रदेश दोनों द्वारा दावा किए गए 123 गांवों में मतभेदों को सुलझाने के उपायों की शुरुआत हुई। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अष्टलक्ष्मी क्षेत्र एक एकजुट इकाई के रूप में आगे बढ़ रहा है।

बिहार 2030 तक विकसित राज्यों में होगा शामिलः बिजेंद्र प्रसाद यादव

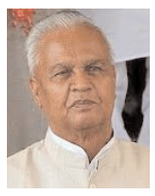

पटना/भाषा। बिहार के वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि राज्य 2030 तक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल होगा और विकास योजनाओं के लिए धन की कोई कमी नहीं है व राज्य सरकार योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है। वित्त मंत्री ने सदन से वित्त वर्ष 2026-27 के बजट से खर्च करने की अनुमति मांगी, जिसे सदन ने विनियोग पर सहमति देकर मंजूर कर दिया। विनियोग पर सरकार का पक्ष रखते हुए मंत्री ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि राज्य सरकार का खजाना खाली होने का दावा आधारहीन है। उन्होंने कहा कि राजकोषीय घाटा नियंत्रण में है और यह तीन प्रतिशत की सीमा के भीतर है। विपक्ष द्वारा इसे 18 प्रतिशत बताए जाने पर उन्होंने हैरानी जताई। यादव ने कहा कि बिहार का बजट 2005 के 23,885 करोड़ रुपए से बढ़कर 2026-27 में 3.47 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि राज्य के विकास, अवसंरचना और सामाजिक क्षेत्रों में निवेश की बढ़ी हुई क्षमता को दर्शाती है।

वित्त मंत्री ने कहा, ''सरकार अगले पांच वर्षों में एक करोड़ लोगों को नौकरी और रोजगार उपलब्ध कराएगी। 'सात निश्चय-3' के प्रमुख संकल्पों में दोगुना रोजगार सृजन और प्रति व्यक्ति आय दोगुनी करना शामिल है।'' उन्होंने कहा, ''2020 से 2025 के बीच 50 लाख से अधिक युवाओं को नौकरी और रोजगार मिल चुके हैं। अगले पांच वर्षों में इस संख्या को दोगुना करते हुए एक करोड़ रोजगार सृजन का लक्ष्य रखा गया है।''

पिछले 21 साल की नीतीश सरकार में भी बिहार गरीब और पिछड़ा राज्य बना रहा : तेजस्वी

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर निशाना साधते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि 21 वर्षों के शासन के बावजूद बिहार आज भी देश का सबसे गरीब और पिछड़ा राज्य बना हुआ है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने विधानसभा की कार्यवाही में शामिल होने के बाद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पिछले 21 वर्षों से राज्य में राजग की सरकार है, लेकिन इस अवधि में बिहार देश का सबसे गरीब राज्य बना रहा। उन्होंने दावा किया कि बेरोजगारी, पलायन और गरीबी के मामले में भी बिहार शीर्ष पर है। तेजस्वी ने कहा, निवेश के मामले में बिहार सबसे चौपट राज्य है। प्रति व्यक्ति आय देश में सबसे कम है। शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल के क्षेत्र में भी राज्य पिछड़ा हुआ है। बिहार की जनता ने 21 साल तक राजग को मौका दिया, लेकिन आज भी राज्य की गिनती देश के सबसे गरीब राज्यों में होती है। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि बीते दो दशकों में राज्य में अपराध, भ्रष्टाचार, कुशासन और अफसरशाही में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार के मौजूदा बजट में आम लोगों के लिए कुछ भी खास नहीं है और न ही किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई दिखाई देती है। वैशाली जिले के राघोपुर से विधायक तेजस्वी ने कहा, राज्य में हर दिन हत्या, दुष्कर्म और सामूहिक दुष्कर्म जैसी घटनाएं हो रही हैं, लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जब विपक्ष सदन में इन मुद्दों को उठाता है तो सरकार के पास कोई ठोस जवाब नहीं होता। केवल पुरानी और घिसी-पिटी बातें दोहराई जाती हैं।

उप्र के मुख्यमंत्री के सिंगापुर दौरे के पहले दिन 19,877 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों पर सहमति बनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी सिंगापुर यात्रा के पहले दिन ही कई सफलताएं दर्ज की हैं। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सिंगापुर दौरे के पहले दिन आधिकारिक बैठकों और निवेशकों के साथ संवाद के बीच कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और कंपनियों ने राज्य सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। पहले दिन कुल 19,877 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों पर सहमति बनी, जो प्रदेश की अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन के लिए अहम माने जा रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी निवेशकों के समक्ष स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश सरकार निवेशकों को पारदर्शी नीतिगत ढांचा, त्वरित स्वीकृतियां और बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इन समझौता ज्ञापन में एक बड़ा प्रस्ताव यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप की ओर से आया, जिसने ग्रुप हाउसिंग, लॉजिस्टिक पार्क और डेटा सेंटर परियोजनाओं में 6,650 करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव रखा गया है। इसी क्रम में गोल्डन स्टेट कैपिटल (जीएससी) ने उत्तर प्रदेश में 100 मेगावाट क्षमता के डेटा सेंटर की स्थापना के लिए आठ हजार करोड़ रुपए निवेश करने की घोषणा की। इसी तरह, प्राइवेट इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट ग्रुप (पीआईडीजी) ने नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और कृषि सह सौर (एग्री-पीवी) परियोजनाओं में 2,500 करोड़ रुपए के निवेश का समझौता ज्ञापन किया। इसके अतिरिक्त एवीपीएन लिमिटेड ने भी नवीकरणीय ऊर्जा और एग्री-पीवी क्षेत्र में 2,727 करोड़ रुपए के निवेश की प्रतिबद्धता जताई। इन पहल से उत्तर प्रदेश के हरित ऊर्जा लक्ष्यों को मजबूती मिलेगी।

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने राजनाथ सिंह से भेंट की, राज्य की सुरक्षा स्थिति पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने सोमवार को नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और राज्य से संबंधित सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की।

फेसबुक पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने उपमुख्यमंत्री एल. डिखो के साथ रक्षा मंत्री से उनके कार्यालय में मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''मणिपुर में सुरक्षा परिदृश्य से संबंधित प्रमुख और महत्वपूर्ण मुद्दों पर हमारी रचनात्मक बातचीत हुई।'' उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि राज्य की सुरक्षा केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षा मंत्री ने मणिपुर में शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव सहायता का भी आश्वासन दिया है।

झारग्राम के जंगलों में दुर्लभ कबर बिज्जू देखा गया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के झारग्राम जिले के जंगलों में एक कबर बिज्जू (हनी बैजर) को घूमते देखा गया है, जो भारत में दुर्लभ माना जाने वाला मोटी चमड़ी वाला एकांत प्रिय स्तनपायी जीव है। एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि हाल ही में हुए सर्वेक्षण के दौरान वन विभाग की ओर से लगाए गए एक ट्रैप कैमरे में कबर बिज्जू की तस्वीर कैद हो गई। यह पश्चिम बंगाल में कबर बिज्जू को देखे जाने की संभवतः दूसरी ज्ञात घटना है। दोनों ही घटनाओं की जानकारी झारग्राम के जंगलों से मिली थी।

अधिकारी ने बताया कि कबर बिज्जू को देखे जाने की ताजा घटना बेलपहाड़ी के जंगलों में दर्ज की गई है, जो दक्षिण बंगाल के जिलों में स्थित 'जंगलमहल बेल्ट' का हिस्सा है और जहां लगाए गए कैमरों में हाल के दिनों में एक भालू की तस्वीरें भी कैद हुई हैं। यह घटनाक्रम क्षेत्र में जीव-जंतुओं की विविधता में लगातार वृद्धि का संकेत देता है। कबर बिज्जू को देखे जाने के घटनाक्रम पर खुशी जताते हुए राज्य के वन मंत्री बीरबाहा हांसदा ने कहा कि झारग्राम के जंगलों में जैव विविधता मजबूत बनी हुई है। कबर बिज्जू छोटा स्तनधारी जीव है, जो मजबूत शरीर, पैरों और नुकीले पंजों के लिए जाना जाता है। इसके शरीर पर आमतौर पर काले रंग के बाल होते हैं और इसकी पीठ पर हल्के भूरे या सफेद रंग के धब्बे होते हैं।

चिकित्सा पर्यटन के लिए अपने पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत कर रहा भारत : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को कहा कि भारत अपने मंत्रालयों, नियामक प्राधिकरणों, प्रत्यायन एजेंसियों और राज्य सरकारों के बीच समन्वय को सुव्यवस्थित करके चिकित्सा पर्यटन का समर्थन करने वाले पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर काम कर रहा है। स्वास्थ्य मंत्री यहां भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा आयोजित 'एडवांटेज हेल्थ केयर इंडिया' सम्मेलन को वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

नड्डा ने कहा कि सरकार चिकित्सा यात्रा को सहयोग के एक ऐसे माध्यम के रूप में देखती है जो विश्वास पैदा करता है और देशों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करता है। उन्होंने कहा, ''चिकित्सा संबंधी यात्राएं विश्व के साथ भारत की स्वास्थ्य सेवा संबंधी भागीदारी का एक महत्वपूर्ण आयाम हैं। यह हमारी नैदानिक उत्कृष्टता, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित मानकों, पारदर्शी शासन ढांचे और रोगी-केंद्रित देखभाल के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज के भारत में उच्च कौशल प्राप्त चिकित्सा पेशेवरों और आधुनिक स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना की बदौलत हृदय रोग विज्ञान, कर्क रोग विज्ञान, अंग प्रतिरोपण, ऑर्थोपेडिक्स और तंत्रिका विज्ञान सहित कई विशिष्टताओं में उन्नत उपचार उपलब्ध हैं। नड्डा ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सम्मेलन हितधारकों को आपसी जुड़ाव को गहरा करने और सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगाने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और हितधारकों को सार्थक सहयोग बनाने और भारत द्वारा एक भरोसेमंद एवं विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा भागीदार के रूप में पेश की जाने वाली विशाल क्षमता का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।

बच्चों को छोटी आयु से ही संस्कार व अनुशासन प्रदान करना विद्यालयों का दायित्व : आनंदीबेन पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को कहा कि बच्चों को छोटी आयु से ही शिक्षा, संस्कार और अनुशासन प्रदान करना विद्यालयों का दायित्व है। जनभवन (राज्यपाल का आधिकारिक आवास) की ओर से जारी बयान के अनुसार राज्यपाल ने लखनऊ के अर्जुनगंज सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में कम्प्यूटर प्रयोगशाल और विद्यालय की वेबसाइट का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर उन्होंने कम्प्यूटर प्रयोगशाला का अवलोकन किया और विद्यार्थियों को कम्प्यूटर शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल ने कहा, ''शिक्षा में किया गया दान सर्वश्रेष्ठ दान है और समाज के ऐसे दानवीरों का सम्मान किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कार्यक्रम में बच्चों द्वारा प्रस्तुत 'बाल रामायण' और 'ब्रज की होली' की सराहना करते हुए कहा, ''नन्हे-मुन्ने बच्चे देश का भविष्य हैं। उन्हें छोटी आयु से ही शिक्षा, संस्कार और अनुशासन प्रदान करना विद्यालयों का दायित्व है, जिसे विद्या भारती अच्छी तरह निभा रहा है।'' उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय संस्कृति, परंपरा, रामायण, महाभारत और ऋषि-मुनियों के वैज्ञानिक योगदान के विषय में छोटे बच्चों को घरों में भी जानकारी दी जानी चाहिए। उन्होंने आधुनिक शिक्षा और कृत्रिम मेधा के अध्ययन को आवश्यक बताया, लेकिन इसके साथ ही सांस्कृतिक विरासत और परंपरा को नहीं भूलने की बात कही।

राज्यपाल ने बालगृहों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि लखनऊ स्थित बालगृह को जनभवन द्वारा गोद लिया गया है और वहां बच्चों की शिक्षा एवं कौशल विकास की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि घरों में आत्मचिंतन की आवश्यकता है और बेटा-बेटी दोनों पर समान ध्यान दिया जाना चाहिए।

भारत के विकास के लिए 'एमएसएमई' क्षेत्र महत्वपूर्ण है, युवाओं को रोजगार सृजनकर्ता बनना होगा : खांडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने सोमवार को भारत की आर्थिक वृद्धि में सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया है। उन्होंने युवाओं से रोजगार लेने के बजाय रोजगार सृजनकर्ता बनने का आह्वान किया।

खांडू ने यहां केंद्रीय एमएसएमई मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (एनएसआईसी) द्वारा राज्य सरकार के समन्वय से आयोजित राष्ट्रीय स्तर के एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि एमएसएमई क्षेत्र वर्तमान में देश भर में सात करोड़ से अधिक उद्यमों को सहयोग प्रदान कर रहा है, जिससे 31 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को पूर्वोत्तर, विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश में विकास की गति को तेज करने की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि साल 2014 से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई नीतियां लाई गईं, जिसमें अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के उत्थान के लिए 2016 में राष्ट्रीय एससी-एसटी हब की स्थापना भी शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई), भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) और इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएमएआई) जैसे पेशेवर संस्थान अल्पकालिक मॉड्यूल पाठ्यक्रम तैयार करेंगे। इसका उद्देश्य विशेष रूप से टियर-दो और टियर-तीन शहरों में एमएसएमई की कॉर्पोरेट और वित्तीय क्षमताओं को मजबूत करना है।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को यहां के समीप जोते में उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआई) का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। यह संस्थान स्टार्टअप और एमएसएमई को व्यवस्थित प्रशिक्षण,मार्गदर्शन और क्षमता निर्माण सहायता प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि वर्तमान में राज्य में लगभग 300 स्टार्टअप काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अरुणाचल प्रदेश को हाल में 'स्टार्टअप इंडिया' पारस्थितिकी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक के रूप में मान्यता दी गई है।

खांडू ने युवाओं को सरकारी नौकरियों की पारंपरिक प्राथमिकता से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि उद्यमिता में असीमित अवसर हैं।

मुख्यमंत्री ने जलविद्युत, खनन, कृषि, बागवानी और पुष्पकृषि में राज्य की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री खांडू ने भारत और प्रमुख वैश्विक भागीदारों के बीच हाल ही में हुए व्यापार समझौतों का जिक्र करते हुए उभरते निर्यात अवसरों की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि ये समझौते भारतीय डिजिटल उत्पादों, स्टार्टअप और कृषि उत्पादों के लिए वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में प्रवेश का मार्ग प्रशस्त करेंगे। मुख्यमंत्री ने व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए राज्य के पूर्वी, मध्य और पश्चिमी क्षेत्रों में इसी तरह के जागरूकता शिविर आयोजित करने का प्रस्ताव रखा।

मिजोरम में 93 फीसदी म्यामां शरणार्थियों के बायोमेट्रिक पंजीकरण पूरे : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आइजोल/भाषा। मिजोरम सरकार ने राज्य भर में शरण लिए हुए म्यामां के शरणार्थियों का बायोमेट्रिक पंजीकरण लगभग पूरा कर लिया है। गृह मंत्री के. सपडांगा ने सोमवार को विधानसभा को यह जानकारी दी।

मंत्री ने बताया कि उपायुक्त वर्तमान में प्रक्रिया के अंतिम चरण की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पांच फरवरी तक म्यामां के शरणार्थियों का 93 प्रतिशत बायोमेट्रिक पंजीकरण पूरा हो चुका था। हमारा लक्ष्य शेष कार्य को यथाशीघ्र पूरा करना है। मंत्री के अनुसार, मिजोरम में वर्तमान में 38,059 लोग शरण लिए हुए हैं, जिनमें म्यामां व बांग्लादेश के शरणार्थी और पड़ोसी राज्य मणिपुर से विस्थापित लोग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश के चिट्टगांव हिल ट्रैक्ट्स (सीएचटी) से आए शरणार्थियों के बायोमेट्रिक और जनसांख्यिकीय विवरण एकत्र करने की पंजीकरण प्रक्रिया भी जारी है तथा इसके जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है।

सुविचार

नियत साफ साफ हो और मकसद नेक हो तो परमात्मा किसी ना किसी रूप में आपकी मदद जरूर करता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कला के नाम पर खुराफात

फिल्म 'घूसखोर ...' के बाद '... जी की ... स्टोरी' की घोषणा से एक बार फिर इस बात की पुष्टि हो गई है कि कुछ फिल्म निर्माता, निर्देशक, लेखक और अभिनेता कला के नाम पर जानबूझकर ओछी हरकतें करना चाहते हैं। 'घूसखोर ...' का ब्राह्मण समाज ने तीव्र विरोध किया था। मामला उच्चतम न्यायालय में पहुंचा तो निर्माता और निर्देशक को झुकना पड़ा। इस विवाद के दूसरे पहलू को देखें तो यह समझना मुश्किल नहीं है कि ऐसे नाम रखने से फिल्म का मुफ्त में ही प्रचार हो जाता है। टीवी चैनलों पर यह मुद्दा उठाया जाता है। सोशल मीडिया पर बहस होती है। अगर मामला ज्यादा ही तूल पकड़ लेता है तो निर्माता और निर्देशक यह कहकर अपना बचाव करते हैं कि उनका इरादा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था। न्यायालय उन्हें फटकार लगाता है तो वे फिल्म का नाम बदल देते हैं। इस घटनाक्रम के बाद लोगों के मन में फिल्म की कहानी को लेकर जिज्ञासा पैदा हो जाती है। वे उस दिन का इंतजार करते हैं, जब फिल्म रिलीज होती है। फिल्म देखने के बाद पता चलता है कि वह इतनी भी अच्छी नहीं थी, जितना उसका प्रचार किया गया था। वास्तव में कुछ फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों ने प्रचार का एक ऐसा नुस्खा ढूंढ़ लिया है, जिसमें हल्दी लगे न फिटकरी और रंग भी चोखा आ जाए। इसके तहत समाज के एक वर्ग को खलनायक की तरह पेश किया जाता है। इसे कला कहा जाए या खुराफात? इस प्रवृत्ति पर रोक लगानी चाहिए। सिनेमा का उद्देश्य सिर्फ मनोरंजन करना नहीं होता है। उस पर बेहतर समाज के निर्माण की भी ज़िम्मेदारी होती है। केंद्र सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी निर्माता और निर्देशक समाज के किसी वर्ग के खिलाफ विष वमन न करे।

उनका यह तर्क स्वीकार न किया जाए कि 'हमें पता नहीं था ... हमारा इरादा ऐसा नहीं था।' ऐसी फिल्मों पर रोक लगाई जाए। उनके निर्माताओं, निर्देशकों, लेखकों और अभिनेताओं पर भारी जुर्माना लगाया जाए। हाथ में कलम और कैमरा हैं तो इसका यह मतलब नहीं कि कुछ भी लिख दें और बना दें। इंटरनेट के प्रसार से ऐसे निर्माताओं और निर्देशकों को खुली छूट मिल गई है। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री की भरमार देखने को मिल रही है। गीतों का स्तर बहुत गिर गया है। उनके शब्दों पर गौर करेंगे तो पाएंगे कि उनमें और अश्लील सामग्री में ज्यादा अंतर नहीं रह गया है। भोजपुरी सिनेमा, जो कभी पारिवारिक सद्भाव और संस्कारों के लिए जाना जाता था, आज वहां कैसे गीत लिखे और गाए जा रहे हैं? पंजाबी संगीत भारत की शान कहलाता है। लोग गर्व से कहते थे कि पंजाब इधर भी है, उधर (पाकिस्तान) भी है। तुलनात्मक रूप से कम आबादी के बावजूद हमारे पंजाब ने दुनिया में जो सांस्कृतिक पहचान बनाई, वह बेमिसाल है। पिछले कुछ वर्षों से पंजाबी गीतों में किन चीजों का महिमामंडन हो रहा है? शराब, लड़ाई और हथियार! ये चीजें पंजाब की पहचान नहीं हो सकतीं। लोगों के मन में यह विष घोला जा रहा है कि नशाखोरी और झगड़ा करना बहुत बहादुरी का काम है! ऐसे गीतों को सोशल मीडिया से हटाकर प्रतिबंधित करना चाहिए। राजस्थान और हरियाणा में ऐसे गीतों की बौछार देखने को मिल रही है, जिनमें किसी एक जाति का नाम लिया जाता है। उनमें महिलाओं को संबोधित करते हुए ऐसे शब्दों का प्रयोग किया जाता है, जो उनके सम्मान एवं गरिमा के खिलाफ हैं। नशाखोरी को बढ़ावा देने वाले गीत यहां भी प्रचलित हैं, जिन्हें सुनकर युवा गुमराह हो रहे हैं। कला के नाम पर ऐसी सामग्री को किसी भी कीमत पर बढ़ावा नहीं मिलना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

हनुमान जी हमें सीख देते हैं कि अपने स्वामी, अपने कर्ताधर्ता या हमें राह दिखाने वाले के साथ समर्पण भाव से जुड़े रहो। उसके सुख में ही नहीं, उसके दुख में भी उसके साथ ढाल बनकर खड़े रहो। लेकिन आज के दौर में कुछ ही लोग ऐसे होते हैं जो हनुमान जी की प्रेरणा पर चलते है।

-वसुंधरा राजे

जिला न्यायालय परिसर में 'दी बार एसोसिएशन जयपुर' की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित हुआ। अधिवक्ता समाज लोकतंत्र का सजग प्रहरी है, वकालत राष्ट्र सेवा का एक सशक्त माध्यम है।

-भजनलाल शर्मा

आज ब्रह्मा जी की पावन धरा तीर्थ नगरी पुष्कर में आयोजित श्री हनुमंत कथा में सम्मिलित होकर बागेश्वर धाम सरकार पूज्य श्री धीरेंद्र शास्त्री जी के श्रीमुख से प्रभु श्रीराम भक्त हनुमान जी की प्रेरणादायी कथा श्रवण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

प्रशंसा का समर्पण

जब श्रीराम ने भरत की प्रशंसा की, तो भरत ने कहा, 'प्रशंसा तो आपकी है, क्योंकि मुझे आपकी छत्रछाया मिली। आप स्वभाव से किसी में दोष नहीं देखते, इसलिए मेरे गुण आपको दिखाई देते हैं।' श्रीराम ने उत्तर दिया, 'चलो मान लिया कि मुझे दोष देखना नहीं आता, पर गुण देखना तो आता है। इसलिए कहता हूंतुम गुणों का अक्षय कोष हो।' भरत बोले, 'यदि तोता बहुत बढ़िया श्लोक पढ़ने लगे और बंदर सुंदर नाचने लगे, तो यह उनके गुण हैं या पढ़ाने-नचाने वाले के?' श्रीराम ने कहा, 'पढ़ाने और नचाने वाले के।' भरत बोले, 'मैं उसी तोते और बंदर की तरह हूं। यदि मुझमें कोई विशेषता दिखाई देती है तो उसके लिए आप को श्रेय जाता है। इसलिए यह प्रशंसा आपको अर्पित है।' श्रीराम बोले, 'भरत, तो प्रशंसा तुमने लौटा दी।' भरत ने कहा, 'प्रभु, प्रशंसा पचा लेना सबके वश की बात नहीं। यह घमंड पैदा करता है। लेकिन आप इसे समायोजित करने में निपुण हैं। अनादिकाल से भक्त आपकी स्तुति कर रहे हैं, पर आपको कभी अहंकार नहीं हुआ। इसलिए यह प्रशंसा आपके चरणकमलों में अर्पित है।' उत्तम भक्त वही है जो प्रशंसा को प्रभु चरणों में समर्पित कर दे।

सामयिक

कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को कैसे देखें ?

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित शिखर सम्मेलन एआई इंपैक्ट सम्मिट विश्व समुदाय की दृष्टि में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। देश में सबसे ज्यादा समय शासन करने वाली कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जिस तरह शरीर का ऊपरी हिस्सा खोल प्रदर्शन कर सम्मेलन पर दाग लगाने की कोशिश की उसकी आलोचना के लिए शब्द छोटे पड़ जाते हैं। राजनीति में विरोध इस सीमा तक चली जाए कि देश का सम्मान और भविष्य तक को रौंदने की कोशिश हो तो ऐसी राजनीति हर दृष्टि से निन्दनीय है। विडंबना देखिए कांग्रेस छाती ठोंक कर प्रदर्शन का बचाव कर रही है। पूछा जाना चाहिए कि क्या आए हुए विदेशी मेहमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेहमान थे या संपूर्ण भारत के? वे भारत के शिखर सम्मेलन में आए थे या नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत आयोजन में? 14 देश के राष्ट्राध्यक्ष, 45 देशों के मंत्रिमंडलस्तरीय शिष्टमंडलों के साथ लगभग 100 देश भाग ले रहे थे।

इनमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों, ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनैसियो लूला द सिल्वा, स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सैंचेज़ पैरेज़ कास्टज़ोन, स्विटजरलैण्ड के राष्ट्रपति गे. पार्मेलन, नीदरलैण्ड के प्रधानमंत्री डिक स्कूफ, संयुक्त अरब अमीरात के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन ज़ायद अल नाहियान, मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीन चन्द्र रामगुलम, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुराकुमारा दिसानायके, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति सेबेस्टियन पिल्ले और भूटान के प्रधानमंत्री त्शेरिंग तोबगे सहित संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही। विश्व की प्रमुख एआई कंपनियों के सीईओ से लेकर भारत में निवेश करने के इच्छुक निवेशक , वैज्ञानिक, टेक्नीशियन, कारोबारी मीडिया से जुड़े लोग उपस्थित थे। विदेशी कंपनियों ने पवेलियन लगाए थे और भारतीयों ने भी । पहले ब्रिटेन , फिर दक्षिण कोरिया और फ्रांस के बाद भारत चौथा देश था जिसने एआई पर सम्मेलन आयोजित किया। एआई की दुनिया में भारत थोड़ी देर से आया है लेकिन भविष्य को देखते हुए लंबी छलांग के लक्ष्य और विशेष दृष्टिकोण से सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन में उपस्थित विशेषज्ञों, कंपनियों के सीईओ तथा नेताओं का सामूहिक मत था कि आधारभूत संरचना, क्षमता, प्रतिभा, नीतियों आदि की बदौलत भारत एआई की संभावनाओं से भरा हुआहै।

ऐसे आयोजन को लेकर पक्ष या विपक्ष हर भारतीय के अंदर भाव होना चाहिए कि हमें इसे हर दृष्टि से सफलता पर पहुंचाना है। आप देख लीजिए हमारे देश के ज्यादातर विपक्षी नेताओं ने कहा है कि भाजपा से हमारी लड़ाई है किंतु जब अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हो, विदेशी मेहमान आए हों तो उनके सामने इस तरह का प्रदर्शन नहीं होना चाहिए, हम सबको देश के सम्मान का ध्यान रखना चाहिए। विपक्षी नेताओं की यही प्रतिक्रिया आश्वस्त करती है कि आपस में लड़ते और संघर्ष करते हुए भी ऐसे नेता हैं जो देश हित की चिंता करते हैं। इस तरह कांग्रेस अलग-अलग पड़ गई है किंतु जी अपने प्रदर्शन को सही ठहरने के लिए लगातार कुतर्कों का सहारा ले रही है। ऐसा लगता है जैसे कांग्रेस की राजनीति राहुल गांधी के नेतृत्व में व्यक्तिगत विरोध से ईर्ष्या की चरम अवस्था तक पहुंच चुकी है और उसमें अब देश हित , देश का सम्मान और आयोजन की गरिमा के मायने नहीं रह गए हैं। प्रदर्शकारियों के जो नाम सामने आए हैं उनमें बिहार से लेकर तेलंगाना तक के युवा कांग्रेस के नेता हैं। अगर अचानक होता तो दिल्ली यहां आस-पास के कुछ लोग शामिल होते हैं। वैसे भी टी-शर्ट एक दिन में नहीं तैयार हो सकता। साफ है कि सुनियोजित तरीके से उन्होंने निर्धारित प्रक्रिया से प्रवेश कर अपने शर्मनाक कृत्य को अंजाम दिया। वीडियो में दिख रहा है कि आम लोग इनकी हरकतों से नाराज हुए और उनके पास जान बचाकर भागने की नौबत आ गई। कांग्रेस नेतृत्व और इन प्रदर्शनकारियों ने कल्पना भी नहीं की होगी कि जिन लोगों को मोदी सरकार के विरुद्ध खड़ा करने और उनका वोट पाने के लिए ऐसी हरकत कर रही है वे इसके विरुद्ध इस तरह से आक्रोशित हो जाएंगे। विरोध के लिए दिल्ली में स्थान की कमी नहीं है। कांग्रेस संसद परिसर के बाहर और अंदर तक विरोध कर रही है। कहीं भी कर सकती थी। कपड़ा उतार कर भी बाहर प्रदर्शन कर सकते थे। इस शर्मनाक हरकत से सम्मेलन की परिणति पर कोई असर पड़ा हो ऐसा न हो सकता था न हुआ है। इसके प्रभाव और परिणाम के संपूर्ण आकलन में थोड़ा समय लगेगा। तत्काल लगभग 18 लाख करोड़ के निवेश का प्रस्ताव वहां आया। सम्मेलन का अंतिम सामूहिक स्वर और मानस यही रहा कि एआई के क्षेत्र में भारत एक भरोसेमंद स्थान हो सकता है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने 5 वर्ष में 1 लाख 36 हजार करोड रुपए के निवेश की घोषणा की। विशाखापट्टनम में एआई हब बनाने का ऐलान किया। माइक्रोसॉफ्ट 4 लाख 50 हजार करोड़ का निवेश करेगा तो एनवीडीया ने भारत में तीन क्लाउड कंपनी की घोषणा की। अंजनिक कंपनियों ने भी घोषणायें की। एक गलगोटिया का धोखाधड़ी सामने आया जिसके आधार पर पूरे एआई सम्मेलन की साख पर बट्टा लगाने पर तुले हैं। इसमें भारत के तीन एल एम लैंग्वेज मॉडल लॉन्च हुए, 644 एआई तकनीक शोकेस हुई है, वैश्विक कंपनियों के 41 सीईओ भागीदारी कर रहे हैं ,37 देश से 326 प्रदर्शनियां लगीं।

हालांकि राहुल गांधी के अघोषित नेतृत्व में कांग्रेस जिस दिशा में बढ़ रही है उस पर दृष्टि रखने वालों के लिए इसमें हैरत की बात नहीं है। युवा कांग्रेस के नेताओं ने एआई सम्मेलन के अंदर पीएम आज कॉम्प्रोमाइज का जो नारा लगाया पिछले 4 फरवरी को राहुल गांधी के नेतृत्व में संसद परिसर में प्ले गार्ड के साथ लगाया गया था। तब से यह नारा कांग्रेस हर जगह दोहरा रही है।

राहुल गांधी ने कहा प्रधानमंत्री इसलिए कंप्रोमाइज कर रहे हैं क्योंकि एपस्टीन फाइल में अभी बहुत माल है और साथ ही अदानी पर अमेरिका में केस चल रहा है। यही बातें सम्मेलन में टॉपलेस प्रदर्शन करने वाले कांग्रेसी भी बोल रहे हैं। जब कांग्रेस को सदन के अंदर प्रधानमंत्री की सीट पर महिला कार्यकर्ताओं द्वारा बैनर लेकर घेरा बनाने जैसे संसदीय मर्यादा के विरुद्ध अपराध तक पर पश्चाताप नहीं है और इसे सही ठहरा रही है तो फिर बाहर उनके लिए वैसे भी कोई सीमा नहीं है। राहुल गांधी 2016 के बाद से अपने सभी विदेशी दौरों में भारत की ऐसी डरावनी तस्वीर पेश करते हैं जहां केवल दमन ,दबाव ,दहशत और दंश का माहौल है। वह कहते हैं कि आम व्यक्ति तो छोड़िए राजनीतिक दल नेता यहां तक कि मीडिया पर भी नियंत्रण है और हमारे पास अपनी बात रखने का कोई मंच नहीं है। दलितों ,जनजातियों का शान द्वारा उत्पीड़न हो रहा है अल्पसंख्यकों की धार्मिक क्रियाकलाप पर प्रतिबंध हो रहे हैं यानी उनके लिए धार्मिक गतिविधियां भी स्वतंत्रतापूर्वक संचालित करना संभव नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से उनकी घृणा और एलर्जी अतिवाद की सीमाओं को पार कर प्रतिशोध की अवस्था में पहुंच गई है। प्रतिशोध का भाव हो तो फिर कोई सीमा नहीं होती और उसमें देश का नुकसान भी मायने नहीं रखता। कुछ विश्लेशको का निष्कर्ष है कि मानसिक रूप से वे सत्ता पर अपना ही अधिकार या एनटाइटलमेंट मानते हैं और उसमें भी भाजपा तथा मोदी को सप्ताह में स्वीकार कर पाना आज तक उनके लिए संभव नहीं हो पाया है ।पहले लगता था कि एक बार ये सत्ता में आ गए दोबारा नहीं आएंगे। जैसे-जैसे मोदी सरकार का कार्यकाल बढ़ता गया, जनता का समर्थन मिलता रहा ,राज्यों में भी भाजपा सरकार बनती गई उनका और उनके रणनीतिकारों का धैर्य टूटता गया। प्रधानमंत्री की व्यक्तिगत छवि को हर दृष्टि से धक्का पहुंचाने के लिए उनकी कोशिशें स्पष्ट दिखाई देती हैं।

कांग्रेस की चाहत थी कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विदेशी मेहमानों के बीच पीएम इज कॉम्प्रोमाइज का मुद्दा उठाएं ताकि दुनिया भर की मीडिया में यह विषय आए। एपस्टीन फाइल जिस विषय के लिए बदनाम है उसके संदर्भ में किसी का नाम हो तो समझ आता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस फाइल से कोई लेना-देना नहीं जबकि राहुल गांधी इसे ही मुद्दा बना रहे हैं। इसी तरह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कैरियर नष्ट नहीं करना चाहते वाले वीडियो की सच्चाई सामने आ गई है। पता चला कि ट्रंप ने कभी ऐसा कहा ही नहीं। वैसे भी उसे वीडियो में ट्रंप कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी एक महान नेता है मुझसे प्यार करते हैं लगातार चुनाव जीत रहे हैं आदि आदि। इसमें भी अगर राहुल गांधी और कांग्रेस को प्रधानमंत्री पर ट्रंप का दबाव दिखता है तो समझ लीजिए एक समय मध्यम मार्ग वाली कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी के नेतृत्व में सोच और व्यवहार में किस तरह खतरनाक अतिवादी दिशाहीनता से ग्रस्त हो चुकी है।

तभी वह नेपाल और बांग्लादेश की तरह जेन जी से भारत को बचाने की अपील करते हैं। अगर एआई सम्मेलन का कपड़ा उतार प्रदर्शन उनके जेन जी का उदाहरण है तो कम से कम आगे ले और उनकी पार्टी ऐसा करने से पहले 100 बार विचार करेंगे। जिस तरह भाजपा विरोध में साथ खड़े होते हुए भी राजनीतिक दलों ने कांग्रेस से इस मामले में दूरी बनाई से सीख लेते तो यह पार्टी और देश दोनों के लिए अच्छा होता। चूंकि कांग्रेस इस निंदनीय कृति को ही सही ठहरा रही है इसका मतलब है देश और राजनीतिक दलों को इस कांग्रेस को लेकर नए सिरे से विचार करना चाहिए।

नजरिया

मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिए घातक

ललित गर्ग

मो. 9811051133

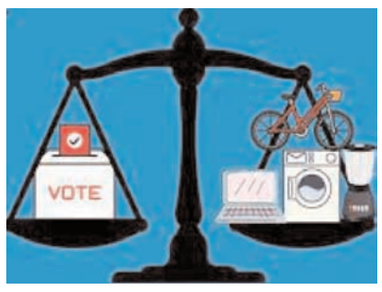

भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुईं, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है।

लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें।

यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दर्शाता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्व मतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहार्यता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे। लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है।

आज भारत स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकलकर उत्पादकता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता को सशक्त बनाना केवल धन बांटने से संभव नहीं है। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार-ये चार स्तंभ किसी भी राष्ट्र की मजबूती तय करते हैं। यदि इन पर निवेश बढ़ेगा, तो नागरिक आत्मनिर्भर बनेंगे और राज्य पर बोझ कम होगा। वहीं, नागरिकों को भी यह ठानना होगा कि वे तात्कालिक प्रलोभनों के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र की सुदृढ़ता तभी सुनिश्चित होगी जब शासन और जनता दोनों अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें।

निस्संदेह, चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए।

निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की प्रवृत्ति लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती है। यह कार्य करने की मानसिकता को बाधित करती है और समाज में सरकार-निर्भरता एवं अकर्मण्यता की संस्कृति को जन्म देती है। यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आर्थिक असंतुलन और राजनीतिक अविश्वास दोनों बढ़ेंगे। इसलिए आवश्यक है कि नीतियों की पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और चुनावी निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यही लोकतंत्र की वास्तविक रक्षा है, यही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सॉफ्टवेयर इंजीनियर की जगह नहीं लेगा एआई, बल्कि उनका कौशल बढ़ाएगा : ब्रैड स्मिथ

नई दिल्ली/भाषा। माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन के अध्यक्ष ब्रैड स्मिथ ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) सॉफ्टवेयर इंजीनियर या सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) पेशेवरों की जगह नहीं लेगी, बल्कि उनके कौशल और रचनात्मकता को बढ़ाएगी। उन्होंने यह बात प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नौकरी छूटने की बढ़ती आशंकाओं पर कही। स्मिथ ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में बताया कि माइक्रोसॉफ्ट का लक्ष्य ऐसी प्रौद्योगिकी विकसित करना है जो लोगों को और अधिक कुशल बनाए। उन्होंने कहा कि एआई दोहराए जाने वाले कोडिंग काम संभाल सकता है, जिससे डेवलपर उत्पाद डिजाइन, सिस्टम आर्किटेक्चर, टेस्टिंग और सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकें। इससे सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग का पेशा और रोचक और चुनौतीपूर्ण बनेगा।

ब्रैड स्मिथ ने कहा कि एआई नौकरियों में कमी नहीं लाएगा, बल्कि पेशेवरों के काम को रचनात्मक एवं बेहतर बनाएगा। इससे कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी और उनके वेतन में सुधार होगा। उन्होंने उन प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के दिग्गजों के प्रति नाराजगी जताई, जो केवल इंसानों से स्मार्ट मशीनें बनाने पर ध्यान देते हैं।स्मिथ ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट का मुख्य उद्देश्य ऐसी मशीनें बनाना है जो लोगों की क्षमता को बढ़ाने में मदद करें। स्मिथ ने कहा, ''हमें हमेशा खुद से पूछना चाहिए कि हमारा लक्ष्य क्या है। मशीनें स्मार्ट होती जाएं, यह ठीक है, लेकिन हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य लोगों को स्मार्ट बनाना है।'' उन्होंने बताया कि एआई का सबसे बड़ा फायदा तब है जब यह मानव संवाद, पढ़ाई और सुनने-समझने की क्षमता को बेहतर बनाए।भारत में सरकारी अधिकारियों के साथ हुई चर्चाओं का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि एआई 22 भारतीय भाषाओं का अनुवाद करके लोगों के बीच संवाद और समझ बढ़ाने में मदद कर सकता है।

दौरा

इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू और एक्सरसाइज में हिस्सा लेने वाले विदेशी नेवी के अधिकारी और कर्मचारी सोमवार को बोधगया में महाबोधि मंदिर गए।

ईशा मालवीय की डेब्यू फिल्म 'इश्कां दे लेखे' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय अभिनेत्री, मॉडल, डांसर, लोकप्रिय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और बिग बॉस 17 फेम ईशा मालवीय की पहली फिल्म 'इश्कां दे लेखे' का ऑफिशियल ट्रेलर सोमवार को रिलीज कर दिया गया। अभिनेत्री रोमांटिक पंजाबी फिल्म से बड़े पर्दे पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। 'इश्कां दे लेखे' का ट्रेलर स्पीड रिकॉर्ड्स, पैनोरमा स्टूडियोज और डायमंडस्टार वर्ल्डवाइड यूट्यूब चैनलों ने आपस में कोलैबोरेशन के तहत अपलोड किया है, जिनके चैनलों पर कुल मिलाकर लगभग 50 मिलियन सब्सक्राइबर हैं। चैनल ने मूवी का ट्रेलर रिलीज करते हुए डिस्क्रिप्शन में लिखा, एक बार फिर प्यार में पड़ने के लिए तैयार हो जाइए! स्पीड रिकॉर्ड्स प्रस्तुत करता है 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित पंजाबी प्रेम कहानी 'इश्कां दे लेखे' का ट्रेलर। शानदार गुरनाम भुल्लर और खूबसूरत ईशा मालवीय अभिनीत यह पंजाबी फिल्म उन सभी लोगों के लिए बनाई गई है, जिन्होंने कभी दिल से प्यार किया है। प्रतिभाशाली मनवीर बरार द्वारा निर्देशित, 'इश्कां दे लेखे' बड़े पर्दे पर पंजाबी रोमांस को एक नई परिभाषा देने के लिए तैयार है। 'लेख' और 'सुर्खी बिंदी' जैसी लगातार ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के बाद गुरनाम भुल्लर एक और उत्कृष्ट कृति के साथ वापसी कर रहे हैं और यह फिल्म किसी जादू से कम नहीं है। यह नई पंजाबी फिल्म प्यार की कहानी है और पंजाबी सिनेमा की सदाबहार क्लासिक बनने के लिए तैयार है। ट्रेलर की शुरुआत एक यूनिवर्सिटी की बेल से होती है, जिसके बाद गुरनाम भुल्लर का सीन दिखाया जाता है और एक दमदार पंजाबी रोमांटिक डायलॉग सुनने को मिलता है, जिसमें कहा जाता है, जदो प्यार हद से गुजर जाए, उने मोहब्बत कहते हैं। जदो मोहब्बत हद से गुजर जाए, उनो पागलपन कहते हैं। पर जदो पागलपन हद से गुजर जाए, तो... इसके बाद ट्रेलर में एक रोमांटिक पंजाबी गाना सुनने को मिलता है और सीन में ईशा मालवीय परीक्षा हॉल में बैठी नजर आ रही है। मूवी में अभिनेत्री (जसनीत) का किरदार निभा रही हैं। इसके बाद आगे ट्रेलर में एक और डायलॉग सुनने को मिलता है, जिसमें कहा जाता है, कई बार कुड़िया दा पहला प्यार, बहुतों ने प्यार कर चुके होते हैं।

ट्रेलर में एक के बाद एक कई बेहतरीन डायलॉग सुनने को मिलते हैं और यह एक डायलॉग के साथ समाप्त भी होता है, जहां कहा जाता है, जे रब सानु प्यार करने वाले ने पागल बना सकता है, तो क्या प्यार करने वाले रब नू थोड़ा सा पागल नहीं बना सकते हैं क्या? ट्रेलर में ईशा मालवीय और गुरनाम भुल्लर की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। 2 मिनट 25 सेकेंड के ट्रेलर में लव, हेट, प्यार, पागलपन, जुनून और बर्बादी के साथ कई लाजवाब सीन देखने को मिलते हैं। फैंस मूवी के ट्रेलर को काफी पसंद कर रहे हैं और कुछ ही घंटे में चैनल पर हजारों व्यूज आ चुके हैं। वहीं, कमेंट का सिलसिला लगातार जारी है। 'इश्कां दे लेखे' मूवी सिनेमाघरों में 6 मार्च को रिलीज होने वाली है, जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म की कहानी जस्सी लोहका ने लिखी है और गुरनाम भुल्लर मूवी के निर्देशक हैं।

अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए: मार्गरिट अल्वा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मार्गरेट अल्वा ने एआई इम्पैट समिट के दौरान युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा शर्ट उतारकर विरोध किए जाने की पृष्ठभूमि में कहा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजनों में गरिमा, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए।

बाद में उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि यह उनके व्यक्तिगत विचार हैं और कांग्रेस तथा उसकी जिम्मेदारी के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने रविवार को संवाददाताओं से कहा, ''अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में गरिमा, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए।''

भाजपा द्वारा इसको लेकर कांग्रेस पर निशाना साधे जाने के बाद अल्वा ने सोमवार को अपने बयान पर सफाई दी। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आरएसएस और भाजपा के विपरीत कांग्रेस पार्टी ने हमेशा विभिन्न दृष्टिकोणों, असहमति और सकारात्मक आलोचना को अनुमति दी है और उसका स्वागत किया है। एआई समिट में विरोध प्रदर्शन पर मेरे विचार व्यक्तिगत हैं और कांग्रेस पार्टी और उसकी विचारधारा के प्रति मेरी अटूट प्रतिबद्धता को कमतर नहीं करते हैं।''

रश्मिका मंदाना ने विजय देवरकोंडा से शादी की खबरों पर मुहर लगाई

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट के जरिए अभिनेता विजय देवरकोंडा से अपनी शादी की पुष्टि की।

पिछले कुछ महीनों से मंदाना और देवरकोंडा की शादी को लेकर कई खबरें सामने आई हैं। हालांकि, कई बार सार्वजनिक रूप से साथ दिखने के बावजूद दोनों ने इस खबर की पुष्टि नहीं की थी। मंदाना ने रविवार को अपनी 'इंस्टाग्राम' स्टोरी पर एक पोस्ट साझा करते हुए अपने प्रशंसकों और फॉलोअर को उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया तथा कहा कि यह जोड़ा अपने मिलन को 'विरोश की शादी' नाम देना चाहता है। उन्होंने लिखा, ''हमारे प्रिय लोगो, आप सब हमारे साथ हो। आपने अपने प्रेम से हमें एक नाम दिया, हमें 'विरोश' कहकर पुकारा। इसलिए आज, पूरे दिल से हम अपने इस मिलन को आप के सम्मान में समर्पित करते हैं।'' उन्होंने लिखा, ''हम इसे 'विरोश की शादी' नाम देना चाहेंगे। हमें इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद।'' इस जोड़ी की मुलाकात 2017 में उनकी तेलुगु फिल्म ''गीता गोविंदम'' के सेट पर हुई थी। अक्टूबर 2025 में ऐसी खबरें आईं कि दोनों ने सगाई कर ली, लेकिन दोनों की ओर से इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई।

यदि 'टैरिफ' इतना ही अच्छा विचार है, तो ट्रंप को संसद से मंजूरी लेनी चाहिए : नील कात्याल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। भारतीय मूल के अमेरिका के पूर्व कार्यवाहक सॉलिसिटर जनरल नील कात्याल ने कहा कि यदि ट्रंप के 'टैरिफ' (शुल्क) वास्तव में इतने अच्छे विचार हैं, तो उन्हें इन्हें लागू कराने के लिए अमेरिकी कांग्रेस (संसद) को मनाने में कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए।

कात्याल ने कहा कि अमेरिकी संविधान के अनुसार इतने व्यापक शुल्क उपायों को लागू करने के लिए राष्ट्रपति को विधायी स्वीकृति (कांग्रेस की मंजूरी) अवश्य लेनी चाहिए।

कात्याल की यह टिप्पणी शुक्रवार को अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा ट्रंप के आपातकालीन शक्तियों के तहत लगाए गए व्यापक वैश्विक शुल्क को रद्द करने के बाद आई है। इन शुल्कों में, अन्य देशों पर लगाए गए पारस्परिक 'टैरिफ' भी शामिल हैं।

शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया कि कांग्रेस (अमेरिकी संसद) की मंजूरी के बिना आयात शुल्क लगाने के लिए ट्रंप द्वारा आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल करना अवैध था।

पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में कार्यवाहक सॉलिसिटर जनरल के रूप में सेवा दे चुके कात्याल ने छोटे व्यवसायों की ओर से दायर शुल्क मामले की पैरवी की और मुकदमा जीता।

शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, भारतीय मूल के वकील ने कहा कि अगर ट्रंप प्रशासन का मानना है कि व्यापक शुल्क आवश्यक हैं, तो उपयुक्त संवैधानिक तरीका यह होगा कि आपातकालीन प्रावधानों का सहारा लेने के बजाय प्रस्ताव को चर्चा और मंजूरी के लिए अमेरिकी संसद में रखा जाए। कात्याल का जन्म 1970 में शिकागो में हुआ था। उनकी मां एक शिशु रोग विशेषज्ञ हैं और पिता एक इंजीनियर थे। उनके माता-पिता दोनों भारत से अमेरिका आए प्रवासी (इमिग्रेंट) थे। उन्होंने शुल्क लगाने के लिए आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल करने के ट्रंप प्रशासन के कदम के कानूनी आधार पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के लिए ''15 प्रतिशत वाले विधान (धारा 122) का सहारा लेना मुश्किल होगा'' क्योंकि पूर्व के एक मामले में न्याय विभाग स्वयं यह दलील दे चुका है कि यह कानून व्यापार घाटे से जुड़ी चिंताओं पर लागू नहीं होता।

दौरा

नई दिल्ली में सोमवार को भारत में नीदरलैंड की राजदूत मारिसा जेरार्ड्स चेयरपर्सन कुलजीत चहल के साथ नई दिल्ली के शांतिपथ लॉन में एनडीएमसी द्वारा आयोजित ट्यूलिप फेस्टिवल 2026 का दौरा करती हुईं।

जुलूस

अमृतसर में सोमवार को हिंदू देवता हनुमान के शानदार कपड़े पहने कलाकार भगवान शिव की मूर्ति जैसा सिर पर कपड़ा पहने अमृतसर में एक धार्मिक जुलूस में हिस्सा लेते हुए।

70वें फिल्मफेयर पुरस्कार में छाई 'पुष्पा 2'

मुंबई/एजेन्सी

साल 2024 में अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' ने रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर कोहराम मचा दिया था। फिल्म ने भारत समेत वैश्विक स्तर पर कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले। अब फिल्म दक्षिण सिनेमा के 70वें फिल्मफेयर पुरस्कार में भी छा चुकी है। अभिनेता और उनकी फिल्म ने एक नहीं, बल्कि कई अवॉर्ड्स अपने नाम किए हैं। तो चलिए जानते हैं कि तकरीबन 500 करोड़ के बजट में बनी फिल्म की झोली में कितने अवॉर्ड आए हैं। अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' ने दक्षिण सिनेमा के 70वें फिल्मफेयर पुरस्कार समारोह में सबसे ज्यादा अवॉर्ड अपने नाम किए हैं। तेलुगु भाषा की बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड 'पुष्पा 2' को मिला है। सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का अवॉर्ड 'पुष्पा 2' के निर्देशक सुकुमार ने अपने नाम किया। इसके साथ बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड अल्लू अर्जुन को फिल्म 'पुष्पा 2' के लिए ही मिला है। फिल्म में अभिनेता की एक्टिंग लोगों के सिर चढ़कर बोली थी और कमाई के आंकड़ों से साफ है कि 'पुष्पा 2; का रिकॉर्ड तोड़ पाना हर किसी के बस की बात नहीं है।

इसके अलावा, सर्वश्रेष्ठ संगीत एल्बम का अवॉर्ड 'पुष्पा 2' के लिए ही देवी श्री प्रसाद को मिला है। बेस्ट प्रोडक्शन डिजाइन का खिताब भी फिल्म पुष्पा-2 के लिए सेट डिजाइनर रामकृष्ण और मोनिका को मिला है। कुल मिलाकर फिल्म के खाते में 5 अवॉर्ड आए हैं। 70वें फिल्मफेयर पुरस्कार में किसी दूसरी फिल्म को अलग-अलग कैटेगरी में इतने अवॉर्ड्स नहीं मिले हैं।साल 2024 में रिलीज हुई अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा-2' ने बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई की। फिल्म ने वैश्विक स्तर पर 1800 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया, जबकि भारत में फिल्म सभी भाषाओं में लगभग 1400 करोड़ कमा चुकी है। इसमें हिंदी बेल्ट का बड़ा योगदान रहा था।

फिल्म ने पहले ही दिन 'आरआरआर' और 'केजीएफ' को भी कमाई में पीछे छोड़ दिया था। पहले दिन के ओपनिंग कलेक्शन की बात करें तो 'आरआरआर' ने 133 करोड़ और 'केजीएफ' ने 116 करोड़ का कलेक्शन किया था, लेकिन 'पुष्पा-2' ने पहले ही दिन लगभग 163 करोड़ का कलेक्शन किया, जो दोनों ही फिल्मों से बहुत ज्यादा है।

सैयामी खेर बोलीं-कमजोरी दिखाना सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली/एजेन्सी

फिल्म इंडस्ट्री को घूमर जैसी फिल्में दे चुकीं एक्ट्रेस सैयामी खेर अपनी अपकमिंग अनटाइटल्ड सोशल ड्रामा को लेकर उत्साहित है। शूटिंग में व्यस्त सैयामी का मानना है कि स्क्रीन पर कमजोरी और भावनात्मक पक्ष दिखाना शारीरिक रूप से मुश्किल रोल निभाने से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण होता है। सैयामी खेर फिलहाल विक्रम फडनीस के निर्देशन में बन रही बिना टाइटल वाली सोशल ड्रामा फिल्म में काम कर रही हैं, जिसमें वह अपने विनम्र और भावनात्मक पक्ष को दर्शकों को दिखाने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में सैयामी के साथ ताहिर राज भसीन भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की शूटिंग चल रही है। मेकर्स ने अभी रिलीज डेट की घोषणा नहीं की है। सैयामी खेर ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा क्यों बनीं या अपकमिंग फिल्म में अपने किरदार को लेकर उन्हें क्या बात सबसे पसंद आई। उन्होंने बताया, मैंने अब तक ज्यादातर ऐसे किरदार निभाए हैं जो फिजिकली बहुत डिमांडिंग थे। उन रोल्स ने मुझे एक एक्ट्रेस के तौर पर काफी मजबूत बनाया है, लेकिन यह नई फिल्म बहुत अलग है। यह ज्यादा सॉफ्ट, ज्यादा इमोशनल है और बाहर की एक्शन के बजाय अंदरूनी सफर पर केंद्रित है। इसी वजह से मुझे यह प्रोजेक्ट बहुत पसंद आया। जाट, रे, मिर्ज्या, मौली, चोक्ड, वाइल्ड डॉग जैसी फिल्मों और स्पेशल ऑप्स, फाडू जैसी सीरीज में काम कर चुकीं सैयामी ने बताया कि वह इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इस फिल्म में उनका अलग अंदाज देखने को मिलेगा। सैयामी ने कहा, कभी-कभी कमजोरी दिखाना कहीं ज्यादा मुश्किल होता है और मैं उस स्पेस को एक्सप्लोर करने के लिए काफी उत्सुक हूं। सैयामी ने हाल ही में प्रियदर्शन निर्देशित एक्शन थ्रिलर हैवान की शूटिंग पूरी की है।

तापसी पन्नू ने कंगना रनौत की तरफ बढ़ाया दोस्ती का हाथ

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू और कंगना रनौत के बीच लंबे समय से चला आ रहा विवाद अब थमता नजर आ रहा है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान तापसी ने पुराने मतभेदों को पीछे छोड़ते हुए कंगना के साथ रिश्ते सुधारने की इच्छा जताई। उन्होंने साफ कहा कि उनके मन में कंगना के प्रति कोई निजी दुर्भावना नहीं है और वह दोस्ती के लिए तैयार हैं। एक इंटरव्यू में तापसी ने विवाद को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि मैंने कभी कोई लड़ाई की। लड़ाई तब होती है जब दो लोग आपस में टकराते हैं, लेकिन मैं कभी नहीं टकराई। मेरे पुराने बयान देख लीजिए, क्या मैंने कभी उनके खिलाफ कुछ कहा है? तापसी पन्नू ने बताया कि यह विवाद उनकी ओर से शुरू नहीं हुआ था। उन्होंने याद दिलाया कि कंगना की बहन रंगोली चंदेल ने उन्हें 'सस्ती कॉपी' कहा था। तापसी ने कहा कि अगर वह (कंगना रनौत) इतनी शानदार अभिनेत्री हैं तो मुझे उनकी कॉपी कहलाने में कोई समस्या नहीं है। मैं इसे तारीफ की तरह लेती हूं।

तापसी ने स्पष्ट किया कि वह कंगना के साथ दोस्ती करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर मैं उन्हें कहीं मिलती हूं तो जरूर जाकर 'हैलो' कहूंगी। वह मेरी सीनियर हैं। उनके जवाब की गारंटी नहीं, लेकिन मेरे दिल में उनके लिए कुछ भी गलत नहीं है। वर्क फ्रंट पर तापसी पन्नू इन दिनों अपनी फिल्म 'अस्सी' को लेकर चर्चा में हैं, जो 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी इस फिल्म को समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, हालांकि बॉक्स ऑफिस पर इसकी शुरुआत धीमी रही है।

योगीराज विजयशांतिसूरी गुरुमंदिर का द्वारोद्घाटन, प्रथम दर्शन से भक्त हुए भावविभोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अरसीकेरे/बेंगलूरु। योगीराज विजयशांतिसूरी मंदिर ट्रस्ट अरसीकेरे द्वारा दक्षिण शांतिसूरी तीर्थ परिसर में आचार्य देवेंद्रसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में सोमवार को गुरुमंदिर पंचाह्निका प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत प्रातः नूतन मंदिर का द्वारोद्घाटन मानदेवी, संगीता धीरज, ध्रुव बच्छावत परिवार एवं जैन मित्र फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा संपन्न हुआ। आचार्य देवेंद्रसागरसूरीश्वर की निश्रा में मंत्रोच्चार के साथ मंदिर द्वार पर लगे चांदी के ताले को चांदी की चाबी से खोलकर उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रतिष्ठा उपरांत गुरुमंदिर के प्रथम दर्शन कराए गए। आचार्य देवेंद्रसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि योगीराज विजयशांतिसूरि गुरुमंदिर का द्वारोद्घाटन शुभ और मंगलकारी अवसर है। गुरुदेव के प्रथम दर्शन भक्तों के जीवन को सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक शक्ति से परिपूर्ण करते हैं। आचार्य अभयसेनसूरीश्वरजी ने धर्म आराधना की प्रेरणा दी। इसके पश्चात सत्तरभेदी पूजन, गुरुदेव अष्टप्रकारी पूजन सहित विभिन्न धार्मिक विधि-विधान संपन्न हुए।ङ्कसत्तरभेदी पूजन के लाभार्थी गौतमचंद तेजराज अशोककुमार वर्धमान गुलेच्छा परिवार, नाश्ता के लाभार्थी भरतकुमार गजेंद्रकुमार विमलकुमार राजपुरोहित परिवार, प्रातः नवकारसी के लाभार्थी धीरज ध्रुव बच्छावत परिवार, अष्टप्रकारी पूजन के लाभार्थी अशोककुमार, विजयकुमार कमलेशकुमार सुराना परिवार, शाम की नवकारसी के लाभार्थी सोहनराज गौतमचंद राजेशकुमार गुगलिया परिवार तथा आंगी रोशनी के लाभार्थी नेमीचंद छाजेड़ परिवार सहित सभी लाभार्थियों का मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी द्वारा सम्मान किया गया। रात्रि भक्ति संध्या में हैदराबाद के गायक संयम नाबेड़ा के साथ संयोजक दिलखुश बाफना ने भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। चेयरमैन ताराचंद राठौड़, अध्यक्ष सुरेशकुमार वेदमुथा एवं महासचिव विजयकुमार सुराना ने महोत्सव के सभी लाभार्थियों, भूमि दानदाताओं, आधार स्तंभ, रत्न स्तंभ, स्वर्ण स्तंभ, रजत स्तंभ सहित सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जीतो वेटरन्स क्रिकेट चैम्पियनशिप के लिए खिलाड़ियों की हुई नीलामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ चैप्टर द्वारा 7 मार्च से दो दिवसीय प्रथम वेटरन्स क्रिकेट चैम्पियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। लीग मैच बीईएल ग्राउंड्स में खेले जाएंगे और 8 मार्च को सेमीफाइनल और फाइनल मैच नेशनल कॉलेज ग्राउंड्स में खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता के लिए रविवार को जयनगर में 40 वर्ष से अधिक उम्र के क्रिकेट खिलाड़ियों की नीलामी का आयोजन किया गया। इस चैम्पियनशिप के लिए 120 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया। इस आयोजन में महावीर कानूंगा व गिरीश गांधी की मल्टीश्रिंक वॉरियर्स टीम, भरत जैन की स्काईहाई डी. एजेंसी एंटरटेनमेंट टीम, नेमीचन्द चोपड़ा व निर्मल दुगड़ की आहोर वारियर्स टीम, ऋषि बाफना और विमलेश भंडारी की वीआर लायंस टीम, अंकित चोपड़ा और दीपक जैन की शंखेश्वर स्पोर्ट्स अकादमी टीम, माणकचंद और गौतमचंद खाब्या की ड्रीम क्रशर टीम, महेन्द्र जियानी की जियानी स्ट्राइकर्स टीम व चेतन लधानी व दीपक चंडालिया की सिम्बायोसिस चैलेंजर्स टीम भाग ले रही है। ङ्कार्यक्रम में जीतो के पदाधिकारियों, प्रायोजकों, टीम मालिकों, स्पोर्ट्स आयोजकों और प्रबंधन समिति के सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने आगामी माह में आने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस आयोजन के मुख्य प्रायोजक मुकेश पुनमिया, अन्य प्रायोजकों व विभिन्न टीम मालिकों का सम्मान किया गया। नीलामी कार्यक्रम का संचालन प्रकाश भंडारी ने किया। इस मौके पर जीतो साउथ के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कविका लेआउट क्षेत्र के नागरिकों द्वारा सोमवार को मसाना कलिकांबा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने देवी मां के दरबार में उपस्थिति दर्ज की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ते हैं। आयोजकों ने अतिथियों का सम्मान किया।

'नोवाल नेचरकेयर', जहां लक्जरी के साथ मिलती है प्राकृतिक चिकित्सा

राजस्थान का पहला हेल्थ व वेलनेस रिट्रीट 'नोवाल'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजस्थान जो अपनी मरुभूमि, सभ्यता, लोकसंस्कृति, देवी-देवताओं के लिए प्रसिद्ध है वहीं पर्यटन की दृष्टि से यहां अनेक लक्जरी रिजोर्ट व हेरिटेज होटल है जो पर्यटकों के साथ साथ विदेशी पर्यटकों को अनायास ही अपनी ओर आकर्षित करते हैं। वही रिसोर्ट लीग से कुछ हटकर लक्जरी के साथ प्राकृतिक चिकित्सा की सुविधा देने के उद्देश्य से जयपुर-खाटू राजमार्ग पर बना 'नोवाल नेचरकेयर' लक्जरी हेल्थ व वेलनेस रिसोर्ट इस समय राजस्थान में बड़ी संख्या में पर्यटकों व स्वास्थ्य प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। गदरी-बदहाल ग्राम में बना 101 रूम वाला यह 'नोवाल नेचरकेयर रिसोर्ट' खाटू श्याम भक्ति, स्वास्थ्य, आराम, सुकुन, सात्विक भोजन, योग, ध्यान, अनेक प्राकृतिक चिकित्साएं और आध्यात्मिक गतिविधियों का संगम बनता जा रहा है।

खाटू मंदिर से मात्र 10 मिनट की दूरी पर है 'नोवाल नेचरकेयर'

राजस्थान की राजधारी जयपुर से केवल 70, जगप्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर के मात्र 13 किलोमीटर दूर व खाटू से 10 मिनट की दूरी पर स्थित यह नोवाल रिसोर्ट आरामदायक आवास के साथ साथ नेचुरल थेरेपी के अनेक विकल्प उपलब्ध करा रहा है। 'नोवाल नेचरकेयर' का मानना है कि असली दौलत अच्छी सेहत में है, जहाँ शरीर, मन और आत्मा का सही तालमेल हो। नेचुरोपैथी और योग के ज्ञान पर आधारित शरीर को जब प्रकृति से पोषण मिलता है और वह प्राकृतिक लाइफस्टाइल अपनाता है, तो शरीर को खुद व खुद ही ठीक होने लगता है। लक्जरी आवास के अलावा इस नोवाल नेचरकेयर में नेचुरोपैथी व आयुर्वेद चिकित्सा के विकल्प भी उपलब्ध है, जो कि इस रिसोर्ट को दूसरे रिसोर्ट से अलग पहचान देते है। यहां प्राकृतिक चिकित्सा के तहत शिरोधारा, हेंड ऑन थेरेपी, मड थेरेपी, हाइड्रो व साल्ट थेरेपी, जक्कूजी, अंडर वॉटर मॅसाज, सोना वॉथ, योग अभ्यास व मेडिटेशन स्टूडियो की सुविधा उपलब्ध है जो कि लक्जरी के साथ स्वास्थ्य चिकित्सा लाभ में भी मददगार बन रहा है। नोवाल रिसोर्ट ने मॉडर्न साइंस को पुरानी चिकित्सा प्रैक्टिस के साथ मिलाकर प्राकृतिक की गोद में एक ऐसी आरामदायक जगह बनाई है जो तनाव भरी इस जिन्दगी को अपनी विशेषताओं से बहुत ही सुकुनमय व आरामदायक बना देती है। इस रिसोर्ट में स्वेच्छा से नेचुरल थेरेपी, ध्यान से डिटॉक्स, पौष्टिक खाना और लाइफस्टाइल में बदलाव के साथ गहरे आराम के ज़रिए शनै शनै मन में शांति का वास हो जाता है। नोवाल नेचरकेयर सिर्फ़ एक सेंटर नहीं है, यह खुद की ओर लौटने का एक तरीका है।

> रामनिवास नोवाल का मानना है कि राजस्थान आने वाले लोगों को एक बार 'नोवाल नेचरकेयर रिसोर्ट' में अवश्य ही आना चाहिए और रिसोर्ट की लक्जरी, प्राकृतिक व आध्यात्मिक वातावरण को महसूस जरुर करना चाहिए। नोवाल का ष्टिकोण है कि 'व्यक्ति की उपचार यात्रा एक सांस से शुरू होती है, जो प्रकृति पर आधारित और प्राकृतिक इरादे से पोषित होती है।'

'डिस्टिनेशन वेडिंग' के लिए पहली पसंद है 'नोवाल रिसोर्ट'

घर से दूर भी घर सा आराम देने वाला यह रिसोर्ट 'डिस्टिनेशन वेडिंग' के लिए नवदम्पतियों की पहली पसंद बनता जा रहा है। रिसोर्ट में 101 रूम है जिसमें डीलक्स रूम, प्रीमियम रूम, प्राइवेट कॉटेज, तीन रूम वाला फेमली सुईट्स, विला जैसे कुल 8 प्रकार की रूम केटेगरी उपलब्ध हैं। शादी व किसी भी प्रकार के कार्पोरेट कार्यक्रम के लिए दो विशालकाय सुसज्जीत वेंक्वेट हॉल (रिसेप्शन हॉल) व खुला गार्डन-लॉन एरिया इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देते हैं।

कुल मिलाकर शादी विवाह आदि कार्यक्रम के लिए यह 'सोने पर सुहागा वाला' रिसोर्ट साबित हो रहा है। इन सुविधाओं के अलावा रिसोर्ट के बीचों बीच बना बड़ा सारा स्वीमिंग पुल के आसपास पुल पार्टी, पुल साइड वेडिंग, ओपन रिसेप्शन, बर्थडे पार्टी, एनिवर्सरी पार्टी इस रिसोर्ट के महत्त्व को और बढ़ा रहा हैं। इस रिसोर्ट में आरामदायक लक्जरी रूमों के अलावा बच्चों के लिए प्ले एरिया, साइकिलिंग ट्रेक, वाकिंग ट्रेक, इन्डोर खेल सुविधाएं, स्वादिष्ट व पारम्परिक भोजन के लिए वर्ल्डक्लास रेस्तरां, कैफे, मंदिर, मीटिंग रूम, आर्गेनिक फॉर्म जैसी अनेक सुविधाएं भी उपलब्ध है। रिसोर्ट में लगे आदमकद बुद्धा स्टेच्यु, संजीव दिखने वाली हाथियों की मूर्तिया, फब्बारे, आकर्षक लेंडस्केपिंग इस रिसोर्ट को अपने आप में एक विशेष लुक दे रहे हैं।

'व्यक्ति की उपचार यात्रा एक सांस से शुरू होती है'

रिसोर्ट के प्रबंधक ने बताया कि खाटू लक्खी मेले में आने वाले श्याम भक्तों के लिए 10-25 प्रतिशत की विशेष छूट दी गई है। इसके अलावा प्राकृतिक चिकित्सा में भी अनेक व्यक्तिगत वेलनेस व डिटॉक्स प्रोग्राम बनाने की भी सुविधा है। रिसोर्ट के मालिक रामनिवास नोवाल का मानना है कि राजस्थान आने वाले लोगों को एक बार 'नोवाल नेचरकेयर रिसोर्ट' में अवश्य ही आना चाहिए और रिसोर्ट की लक्जरी, प्राकृतिक व आध्यात्मिक वातावरण को महसूस जरुर करना चाहिए। नोवाल का दृष्टिकोण है कि 'व्यक्ति की उपचार यात्रा एक सांस से शुरू होती है, जो प्रकृति पर आधारित और प्राकृतिक इरादे से पोषित होती है।' इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने 'नोवाल नेचरकेयर' रिसोर्ट की स्थापना की है। यह रिसोर्ट पूरी तरह से पर्यटकों, स्वास्थ्य प्रेमियों व श्याम प्रेमियों की सेवा के लिए तैयार है। रिसोर्ट की बुकिंग व विभिन्न जानकारी के लिए मोबाइल क्रमांक 9251582672/74 पर सम्पर्क किया जा सकता है ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

होली मिलन

बेंगलूरु के विजयनगर स्थित अर्हम भवन में रविवार को श्रीडूंगरगढ़ परिषद द्वारा आयोजित होली स्नेह मिलन में होली के गीत व चंग की मस्ती के तहत बीदासर के नूतन बेंगानी की टीम ने चंग की थाप पर उपस्थित लोगों को नाचने झूमने पर मजबूर कर दिया। इस मौके पर छोटे बच्चों ने भी होली के गीतों पर खूब नृत्य किया। महिलाओं व पुरुषों ने हाउजी खेलकर इनाम जीते। इस अवसर राजेन्द्र कुमार राखेचा, कमल किशोर करनानी, शान्तिलाल राखेचा, राकेश बुच्चा, शोभाचन्द चिंरजीवीलाल बिहानी, केके माहेश्वरी, मोहित डागा, संजय अजय सिंघी, रेवन्तमल झंवर, प्रकाश कुण्डलिया, विष्णु झंवर सहित बड़ी संख्या में सदस्यगण उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

निशान यात्रा

फाल्गुन माह के मौके पर लक्खी मेले के उपलक्ष्य में बेंगलूरु के श्याम सेवा संघ द्वारा रविवार को पीन्या स्थित गणेश मन्दिर से निशान यात्रा निकाली गई। निशान यात्रा में शामिल 300 भक्त हाथों में श्याम निशान लेकर व श्याम धुन पर झूमते हुए विभिन्न मार्गों से होते हुए पीन्या स्थित श्याम मंदिर पहुंचे और बाबा श्याम को निशान अर्पण किए। निशान यात्रा के दौरान फूलों की होली, इत्र की वर्षा, ढोल-नगाड़ों की गूंज और बाबा की मनमोहक सजावट मुख्य आकर्षण का केन्द्र थे। इस निशान यात्रा में सरस डालमिया और ममता झाझरिया सहित अनेक श्याम भक्तों ने निशान यात्रा की व्यवस्था संभाली।

रींगस से पैदल यात्रा कर खाटू श्याम मंदिर में बेंगलूरु भक्तों ने चढ़ाए निशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय बन्नरघट्टा रोड स्थित श्याम मंदिर के तत्वावधान में फाल्गुन मेले के अवसर पर सोमवार को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राजस्थान स्थित खाटू धाम में श्याम निशान(ध्वज) चढ़ाए गए। बेंगलूरु से करीब 100 श्याम भक्त हवाई मार्ग से जयपुर होते हुए राजस्थान के रींगस पहुंचे जहां पूरे विधि विधान से सभी रजत व कपड़े के निशानों की पूजा की गई तथा पूजा पश्चात 21वीं पैदल निशान यात्रा निकाली गई। सभी भक्त निशान उठाकर बाबा श्याम के भजनों पर झूमते-गाते पैदल यात्रा कर खाटू पहुंचे और पूरी श्रद्धा से मंदिर में बाबा श्याम को निशान अर्पण किए। इस मौके पर श्याम मंदिर बेंगलूरु के संस्थापक सदस्य रेवंतमल झंवर सहित सैंकड़ों श्याम भक्त उपस्थित थे।

धर्म ही उत्कृष्ट मंगल है : विनयमुनि खींचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में शिविराचार्यश्री विनयमुनिजी ने सोमवार को अपने प्रवचन में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि तीर्थंकर महापुरुषों ने धर्म को उत्कृष्ट मंगल बतलाया है।

अहिंसा, संयम और तप रूपी धर्म को उत्कृष्ट श्रेष्ठ धर्म बतलाते हुए उन्होंने कहा कि जो इनकी सम्यक रूप से आराधना करता है उसे साक्षात देवता भी नमस्कार करते हैं। मुनिश्री ने कहा कि पूर्व भव में हमने अहिंसा, संयम, तप का मार्ग अपनाया था, तो हमें इस भव में जैन धर्म, अहिंसा धर्म मिला। पाप करने में हिम्मत मत करो, धर्म करने में हिम्मत करो। मुनिश्री ने कहा कि समकित का मतलब है शुद्ध श्रद्धा। उन्होंने आगे शरीर और आत्मा से जुड़े दस प्रकार के सुखों पर भी प्रकाश डाला। इस मौके पर गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा व महामंत्री महावीर चंद मेहता ने सबका स्वागत किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**